राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,17 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–236 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नई टीम बनाने के बाद एक्शन में सीएम भूपेंद्र पटेल

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधीनगर,गुजरात में भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली सरकार के नए मंत्रियों ने गांधीनगर स्थित राजभवन में बृहस्पतिवार को शपथ ली। नई टीम बनाने के बाद राज्य के नए सीएम भूपेंद्र पटेल एक्शन में आ गए हैं। नए कैबिनेट की पहली मीटिंग होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी है। ऐसा कहा जा रहा है कि कैबिनेट की पहली बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के तौर पर सोमवार को शपथ ली थी। इससे पहले आज राजभवन में ५ विधायकों ने एक साथ मंत्री पद की शपथ ली। इनमें विधानसभा के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले राजेंद्र त्रिवेदी भी शामिल हैं। इस्तीफे के करीब एक घंटे बाद सबसे पहली शपथ भी उन्होंने ही ली है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

की टीम में उनका दर्जा नंबर-2 का होगा। भूपेंद्र पटेल ने पूरी टीम नई बनाई है। कुल 24 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई है। इनमें इनमें 9 कैबिनेट और 15 राज्यमंत्री हैं। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की टीम में शामिल सभी मंत्रियों की छुट्टी कर दी गई है। इनमें पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल भी शामिल हैं। नितिन पटेल के बारे में कहा जा रहा है कि वो नाराज चल रहे हैं। राजेंद्र त्रिवेदी के अलावा गुजरात में जीतू वघानी, ऋषिकेश पटेल, पूर्णेश मोदी, राघवजी पटेल ने मंत्री के तौर पर शपथ ली। इनके अलावा कनुभाई देसाई, किरीट सिंह राणा, नरेश पटेल, प्रदीप परमार, अर्जुन सिंह चौहान ने भी मंत्री पद की शपथ ली। हर्ष सांघवी, जगदीश पांचाल, बृजेश मेरजा, जीतू चौधरी, मनीषा वकील ने स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के तौर पर शपथ ली। पहली बार विधायक बनने के बाद ही सीएम बने भूपेंद्र पटेल की तरह ही उनकी टीम में ज्यादातर नए चेहरे शामिल हैं। इसके अलावा पाटीदार समुदाय को बड़ा महत्व देते हुए बीजेपी लीडरशिप ने ज्यादातर मंत्री इसी बिरादरी से चुने हैं।

गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत 25 सदस्यों के मंत्रिमंडल का गठन

10 कैबिनेट, 5 को स्वतंत्र प्रभार और 9 राज्यस्तर के मंत्रियों ने ली शपथ, सभी नए चेहरे

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली सरकार के नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह गांधीनगर स्थित राजभवन में आयोजित किया गया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत राजभवन में नए मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में 24 मंत्रि यों को शपथ दिलाई हैं। इनमें विधानसभा के अध्यक्ष के पद से आज इस्तीफा देने वाले राजेंद्र त्रिवेदी को शपथ दिलाई गई है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत 25 सदस्यों के मंत्रिमंडल का गठन किया गया है। जिसमें 10 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र और 9 राज्य मंत्री शामिल हैं। नई सरकार में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद के घाटलोडिया से विधायक हैं।

कैबिनेट मंत्री = वडोदरा के रावपुरा से विधायक राजेन्द्र त्रिवेदी, भावनगर पश्चिम के जीतु वाघाणी, विसनगर के ऋषिकेश पटेल, सूरत पश्चिम के पूर्णे मोदी, जामनगर ग्रामीण के राघवजी पटेल, पारडी के कनुभाई देसाई, लींबडी के किरीटसिंह राणा, गणदेवी के नरेश पटेल, असारवा के प्रदीपसिंह परमार और मेहमदाबाद के अर्जुनसिंह चौहाण शामिल हैं।

राज्य मंत्री : सूरत के मजूरा से विधायक हर्ष संघवी, अहमदाबाद के निकोल से जगदीश पंचाल, मोरबी के ब्रिजेश मेरजा, कपराडा के चौधरी और वडोदरा की मनीष वकील, ओलपाड के मुकेश पटेल, मोरवा हडफ की निमिषा सुथार, राजकोट के अरविंद रैयाणी, संतरामपुर के कुबेरसिंह डिंडोर, कांकरेज के कीर्तिसिंह वाघेला, प्रांतिज के गजेन्द्र सिंह परमार, महुवा के आरसी मकवाणा, कतारगाम के विनु मोरडिया और केशोद के देवा मालम।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री नितिन पटेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल समेत अन्य पूर्व मंत्री और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के बाद शाम 4.30 बजे पहली कैबिनेट की बैठक होगी, जिसमें मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मंत्रिमंडल में सभी नए चेहरों को जगह दी गई है।

शंकरसिंह वाघेला ने कहा–आज की राजनीति महाभारत से कम नहीं

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने राज्य में नई सरकार को लेकर ट्वीट किया है। वाघेला ने कहा है कि का आज की राजनीति महाभारत से कम नहीं है और इसमें बिना किसी हिचकिचाहट के युद्ध करना चाहिए। माना जा रहा है कि वाघेला ने यह ट्वीट रूपाणी सरकार के नाराज मंत्रियों खासकर नितिन पटेल को लेकर किया है। बता दें कि भूपेन्द्र पटेल मंत्रिमंडल में रूपाणी सरकार में मंत्री रहे किसी नेता को शामिल नहीं किया गया है। नो रिपिट थियरी अपना कर सभी पुराने मंत्रियों की छुट्टी कर दी गई है। मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जाते नितिन पटेल तीसरी बार मुंह से निवाला छीनने से काफी नाराज दिखे। दो दिन पहले मीडिया से बातचीत में उनका दर्द छलक आया और आंखों से आंसू बहने लगे। दो दिन पहले नितिन पटेल के शंकरसिंह वाघेला से मुलाकात करने की भी खबरें सामने आई थीं। हांलाकि गुरूवार को हुए शपथ ग्रहण समारोह में नितिन पटेल भी शामिल हुए और नए मंत्रियों को शुभकामनाएं भी दीं। इस बीच शंकरसिंह वाघेला ने ट्वीट कर मानों भाजपा के नाराज नेताओं को युद्ध का आह्वान किया है। वाघेला ने ट्वीट कर लिखा''आज की राजनीति महाभारत से कम नहीं। उसूलों और स्वाभिमान पर आंच आए तो अपने ही परिवार के कौरवों से लड़ना सही धर्म और कर्म है। यह धर्म युद्ध ना सिर्फ स्वाभिमान की रक्षा के लिए है बल्कि समग्र प्रदेश के कल्याण के लिए है। जब जब ऐसी परिस्थिति आएगी 'अर्जुन' को निसंकोच युद्ध करना होगा।''

आंबेडकर नहीं एक ब्राह्मण ने बनाया था संविधान का ड्राफ्ट

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधीनगर,लंबी खींचतान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिपरिषद का शपथग्रहण हुआ। पटेल की कैबिनेट में शपथ लेने वाले पहले मंत्री बने राजेंद्र त्रिवेदी, जिन्होंने कुछ ही देर पहले विधानसभा स्पीकर पद से इस्तीफा दिया। राजेंद्र त्रिवेदी इससे अपने बयानों को लेकर कई बार चर्चा में रह चुके हैं। बीते साल ही उन्होंने यह दावा कर दिया था कि देश के संविधान का मसौदा एक ब्राह्मण ने तैयार किया था। राजेंद्र त्रिवेदी खुद भी ब्राह्मण हैं। त्रिवेदी ने बीते साल एक ब्राह्मण कारोबारी सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर कहा था कि डॉ. बी आर आंबेडकर ने संविधान का मसौदा तैयार करने का श्रेय बीएन राव को दिया था, जो एक ब्राह्मण थे। इतना ही नहीं त्रिवेदी ने यह भी कहा थि क अभिजीत बनर्जी समेत नौ भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेताओं में से आठ ब्राह्मण हैं। राजेंद्र त्रिवेदी को 19 फरवरी, 2018 को गुजरात विधानसभा का स्पीकर बनाया गया था। त्रिवेदी ने कहा था, 'क्या आपको पता है कि 60 देशों के संविधानों का अध्ययन किया गया और फिर संविधान का मसौदा तैयार किया गया। क्या आपको मालूम है कि किसने डॉ बी आर आंबेडकर को मसौदा दिया? जब भी संविधान की बात आती है तो हम सभी सम्मान के साथ आंबेडकर का नाम लेते हैं।

भारतीय तटरक्षक पोत ने पाकिस्तानी बोट पकड़ा, एक दर्जन गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात की समुद्री सीमा पर भारतीय तटरक्षक पोत ने एक पाकिस्तानी बोट को पकड़ा है। इंडियन कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी बोट पर सवार 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और सभी से अब पूछताछ की जा रही है। एक खबर के मुताबिक, यह बोट गुजरात सीमा के तट के पास देखी गई है। घुसपैठियों पर नजर रखने वाली भारतीय तटरक्षक जहाज राजरतन द्वारा चलाए गए सर्विलांस मिशन के दौरान इस बोट को पकड़ा गया है। इस पाकिस्तानी बोट का नाम अल्लाह पवाकल है। जहाज को कब्जे में लेने के बाद भारतीय जवान बोट में सवार 12 लोगों से पूछताछ कर रही है। भारतीय तटरक्षक बल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि, इस पाकिस्तानी जहाज का 14 सितंबर की रात पता लगाया गया है। गौरतलब है कि, दिल्ली में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रच रहे 6 आतंकियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है।

बता दें कि सभी आतंकियों को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

जनता ने अब भाजपा के लिए 'नो रिपिट थियरी' तय कर ली है : हार्दिक पटेल

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने राज्य की नई सरकार में 'नो रिपिट थियरी' को लेकर बड़ा बयान दिया है। हार्दिक पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को गुमराह कर रही है। जनता ने अब भाजपा के लिए नो रिपिट थियरी तय कर ली है। हार्दिक पटेल ने कहा कि आगामी 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने नो रिपिट थियरी अपनाई है। विधानसभा चुनाव में एक रणनीति के तहत भाजपा ने मुख्यमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल अचानक फेरबदल जरूर किया है, लेकिन इसका उसे कोई फायदा नहीं मिलने वाला। बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सरकार में सभी नए चेहरों को शामिल किया गया है। नो रिपिट थियरी पर गठित नई सरकार में एक भी पुराने मंत्री को जगह नहीं मिली। कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए और मंत्री बने लोगों को भी नो रिपिटेशन के फैसले से अपना मंत्री पद गंवाना पड़ा। कोली समाज के कुंवरजी बावलिया को नई सरकार में जगह नहीं मिलने उनके समर्थकों में जबर्दस्त नाराजगी है। बावलिया के समर्थन में उनका गृह नगर वींछिया बंद रहा। बावलिया समेत अन्य कई पूर्व मंत्रियों के समर्थकों ने अपने नेता नई सरकार में शामिल नहीं करने से विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बुखार का आतंक

हरियाणा के पलवल इलाके के गांव चिल्ली में विगत दस दिनों में आठ बच्चों की मौत न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। जो बच्चे बुखार के चलते काल के गाल में समा गए, उनकी उम्र 14 साल से कम है। खास पलवल से बीस किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में 25 से ज्यादा टीमों ने डेरा डाल रखा है। बच्चों में लक्षण तो डेंगू के दिखे हैं, लेकिन डॉक्टर अभी तक पुष्टि नहीं कर सके हैं। बुखार का कहर यह गांव करीब तीन सप्ताह से झेल रहा है। आम तौर पर इस मौसम में मौसमी बीमारियों का प्रकोप होता है और लोग भी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार रहते हैं, लेकिन जब कोई बुखार सप्ताह भर का समय भी न दे, तो परिजन या चिकित्सक का चिंतित होना वाजिब है। यह चिंता विश्व स्वास्थ्य संगठन तक भी पहुंच गई है। कोई आश्चर्य नहीं कि डॉक्टरों और अधिकारियों ने गांव में डेरा डाल दिया है और निमोनिया से लेकर मच्छर जनित रोगों तक तमाम आशंकाओं को टटोला जा रहा है। इस गांव में साफ-सफाई की भी समस्या बताई जा रही है, जो स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए शर्म की बात होनी चाहिए। हरियाणा के चिल्ली गांव से उत्तर प्रदेश का फिरोजाबाद करीब 177 किलोमीटर दूर है। वहां भी बुखार का गहरा साया है। तीन सप्ताह में करीब 60 लोग जान से हाथ धो बैठे हैं। यहां भी डेंगू की ही आशंका है, लेकिन पुष्टि का इंतजार है। तेज बुखार और प्लेटलेट्स का कम होना स्वाभाविक है, लेकिन इसके अलावा भी कुछ लक्षण हैं, जिनकी वजह से डॉक्टर एकमत नहीं हो रहे। चिल्ली हो या फिरोजाबाद या बिहार का गोपालगंज, हर जगह चिंता है। बिहार में करीब 40 बच्चों की मौत हो चुकी है। वायरल पीड़ित बच्चों से कई अस्पताल भरे हुए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा है कि हम सचेत हैं, तो हमें आगामी दिनों में बच्चों के इलाज की बेहतर व्यवस्था देखने को मिलेगी। वास्तव में, हम मौसमी बीमारियों को कुछ ज्यादा ही सहजता से लेते आए हैं। तीन बातें तो बिल्कुल साफ हैं। सबसे पहले तो हमें अपने और परिवार, समाज के स्वास्थ्य के प्रति बहुत सचेत रहना चाहिए। दूसरी बात, आसपास के परिवेश के प्रति सजग रहना चाहिए। आसपास की सफाई के प्रति लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को भूल ही गए है। शहरों में भी साफ-सफाई की जो व्यवस्था होती है, उसमें आम स्थानीय लोगों की कोई भूमिका नहीं होती है। साफ-सफाई को हमने पंचायतों या नगर पालिकाओं का काम समझ लिया है। व्यवस्था ऐसी है कि हम कर या शुल्क चुकाने के बावजूद अपनी गली में सफाई के लिए लड़ भी नहीं सकते। गांव से शहर तक मच्छरों और अन्य कीटों को पनपने का पूरा मौका मिलता है और मौसमी बीमारियां भी जानलेवा हो जाती हैं। तीसरी बात, चिकित्सा सेवाओं का विस्तार भले हो रहा हो, लेकिन गरीबों तक यथोचित सुविधाओं की पहुंच नहीं हो पा रही है। आखिर लोग अस्पताल तभी क्यों पहुंचते हैं, जब इलाज की संभावनाएं हाथ से निकलने लगती हैं? अस्पताल और मरीज के संबंध को सद्भावी बनाने के लिए क्या हम कुछ कर सकते हैं? बेशक, कोरोना का चरम दौर हो या मौसमी बीमारियों का प्रकोप हो, संवेदना, सेवा और स्वास्थ्य बीमा का ऐसा उच्च स्तर तैयार करना चाहिए कि लोग डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचने में कोई देरी न करें।

'आज के ट्वीट

'खेजड़ली बलिदान दिवस'

'खेजड़ली बलिदान दिवस' पर वृक्षों की रक्षा के लिए स्वयं को न्यौछावर करने वाले प्रकृति प्रेमियों की शहादत को नमन। उनका बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। हम सभी को पेड़ और पर्यावरण का महत्त्व समझने की आवश्यकता है, प्रकृति के संरक्षण से ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। - मु. अशोक गहलोत

भारत में रोजगार के मोर्चे पर अंततः आई अच्छी खबर

- प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के दौर में भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लगभग सभी देशों में बेरोजगारी की दर में बेतहाशा वृद्धि दृष्टिगोचर हुई थी। परंतु, भारत ने कोरोना महामारी के द्वितीय दौर के बाद जिस तेजी से अपनी अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की दर को कम करने में सफलता पाई है, वह निश्चित ही तारीफ के काबिल है। हालांकि तेज गति से बढ़ रहे रोजगार के अवसरों में भारत में हाल ही में प्रारम्भ हुए त्योहार के मौसम का भी योगदान है। देश में त्योहारी मौसम में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि दृष्टिगोचर होती है। परंतु, ईपीएफओ एवं एनपीएस के पेरोल के आंकड़े देखने पर ज्ञात होता है कि रोजगार के अधिक नए अवसर औपचारिक (फोर्मल) क्षेत्र में भी निर्मित हो रहे हैं, इस क्षेत्र में श्रमिकों को न केवल निश्चित दर पर वेतन एवं मजदूरी प्राप्त होती है बल्कि अन्य कई प्रकार के लाभ यथा प्रॉविडेंट फंड में योगदान एवं स्वास्थ्य सुविधाएं भी नियोक्ता अथवा सरकार की ओर से उपलब्ध होती हैं। जबकि अनौपचारिक क्षेत्र में कई बार न्यूनतम मजदूरी से भी कम मजदूरी श्रमिकों को प्राप्त होती है, अन्य सुविधाएं तो प्राप्त ही नहीं होती हैं। इस प्रकार, देश में औपचारिक क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार निर्मित होना एक बहुत अच्छी उपलब्धि मानी जानी चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाले केंद्र (सीएमआईई) द्वारा हाल ही में जारी किया गए आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2021 माह में 1 करोड़ 60 लाख रोजगार के नए अवसर भारत में निर्मित हुए हैं। यह कोरोना महामारी के द्वितीय दौर के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से वापिस पटरी पर आने के कारण सम्भव हुआ है। कृषि के क्षेत्र में 1 करोड़ 12 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं निर्माण के क्षेत्र में 54 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं तो सेवा क्षेत्र में 5 लाख तथा विनिर्माण के क्षेत्र में 8 लाख रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं। सीएमआईई के अनुसार, कृषि के क्षेत्र में पैदा हुए रोजगार के अवसर अल्प अवधि के रोजगार हो सकते हैं परंतु देश में आर्थिक गतिविधियों में हो रही तेज गति से वृद्धि के चलते आगे आने वाले समय में यह अल्प अवधि के रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों यथा सेवा, निर्माण एवं विनिर्माण में लम्बी अवधि के रोजगार के अवसरों में परिवर्तित हो सकते हैं। जो कि देश के लिए एक अच्छी खबर होनी चाहिए। दूसरी ओर, एक अन्य संस्थान द्वारा जारी किए गए सर्वे के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी कम्पनियों ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के शेष समय में विभिन्न महाविद्यालयों (आईटी एवं प्रबंधन) के कैम्पस से भारी मात्रा में भर्तियों की योजना बनाई है। नई भर्ती के यह आंकड़े कोविड महामारी के पूर्व के स्तर (फरवरी 2020) से कहीं अधिक हैं। जैसे, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज 40000+, इनफोसिस 35000+, कान्गिजेंट 45000+, विप्रो 30000+ एवं एचसीएल टेक्नॉलजी 30000+ आदि कम्पनियां तकनीकी क्षेत्र में नई भर्ती किए जाने की योजना बना रही हैं। इसके साथ ही, देश के 10 शीर्ष निजी क्षेत्र के औद्योगिक घरानों में भी कर्मचारियों की संख्या में लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर हो रही है। एक अनुमान के अनुसार, टाटा समूह की कम्पनियों में 750,000 कर्मचारी कार्यरत हैं तो लारसन एंड टोब्रो समूह में 338,000 कर्मचारी, इनफोसिस समूह में 260,000 कर्मचारी, महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह में 260,000 कर्मचारी, रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह में 236,000 कर्मचारी, विप्रो समूह में 210,000 कर्मचारी, एचसीएल समूह में 167,000 कर्मचारी, एचडीएफसी बैंक में 120,000 कर्मचारी आइसीआइसीआइ बैंक में 97,000 कर्मचारी एवं टीवीएस समूह में 60,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन औद्योगिक समूहों में नए कर्मचारियों की भर्ती भी भारी संख्या में की जा रही है। अब भारत के लिए भी यह कहा जा सकता है कि सरकारी क्षेत्र के साथ साथ निजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ रहा है एवं इससे निजी क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर भारी मात्रा में निर्मित हो रहे हैं, जो कि देश के लिए एक अच्छा संकेत है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी की गई एक रिसर्च प्रतिवेदन में भी बताया गया है कि भारत में अप्रेल-जून 2021 की तिमाही में राष्ट्रीय पेंशन योजना एवं कर्मचारी प्रॉविडेंट फंड योजना (एनपीएस एवं ईपीएफओ) में 30.74 लाख पेरोल जोड़े गए। इनमें 16.3 लाख नए पेरोल जोड़े गए एवं 11.8 लाख पुराने पेरोल को पुनः प्रारम्भ किया गया अर्थात कोरोना महामारी के चलते जिन लोगों ने अपने रोजगार को खो दिया था उनका रोजगार पुनः प्रारम्भ हो गया है एवं इस प्रकार, उनके पुराने पेरोल पुनः प्रारम्भ हो गए हैं। कोरोना महामारी के प्रथम एवं द्वितीय दौर से बाहर निकलकर आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते अब आगे आने वाले समय में देश में रोजगार के नए अवसर तेज गति से निर्मित होने की सम्भावना भी कई अन्य रोजगार पोर्टल कम्पनियों द्वारा भी व्यक्त की गई है। केंद्र सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के चलते बेरोजगारी की दर में भी अब कमी देखी गई है। सीएमआईई (CMIE) इंडिया बेरोजगारी दर जो अप्रेल 2020 में 27.11 प्रतिशत के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, वह मार्च 2021 में गिरकर 6.52 प्रतिशत तक नीचे आ गई थी। परंतु कोरोना महामारी के दूसरे दौर के बाद बेरोजगारी की दर पुनः 9.4 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर एवं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर 10.3 प्रतिशत के उच्चतम स्तर एवं ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी की दर 8.9 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, जिसमें अब काफी सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। अब देश के कुछ क्षेत्रों में तो कुछ समय पूर्व तक श्रमिक उपलब्ध ही नहीं हो पा रहे थे। जैसे तिरुपुर, जो देश का सबसे बड़ा वस्त्र उत्पादन केंद्र है, में कुल श्रमिकों की क्षमता के मात्र 60 प्रतिशत श्रमिक ही उपलब्ध हो पा रहे थे। इसी प्रकार सूरत में, जहां रत्न एवं आभूषण निर्माण की 6,000 इकाईयां कार्यरत हैं एवं जहां 400,000 से अधिक बाहरी श्रमिक कार्य करते हैं, में भी 40 प्रतिशत श्रमिक अभी भी काम पर नहीं लौटे थे। चेन्नई के चमड़ा उद्योग में भी 20 प्रतिशत कम श्रमिकों से काम चलाया जा रहा था। देश में दरअसल उद्योगों में तो पूरे तौर पर उत्पादन कार्य प्रारम्भ हो चुका है परंतु श्रमिक अभी भी अपने गावों से वापिस इन उद्योगों में काम पर नहीं लौटें हैं। इस प्रकार कुछ क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तो उपलब्ध हैं परंतु श्रमिक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं।

भाईचारा

आचार्य रजनीश ओशो/ कितनी आसानी से आए दिन बहुसंख्यक शब्द का प्रयोग हिंदू धर्म के मानने वालों के लिए किया जाता है और अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए किया जाता है। यह प्रयोग यही दिखाता है कि धार्मिक पहचान हमारे मन-मस्तिष्क में कितनी गहरी पैठी हुई है। . मनीषियों का तर्क है कि 'मत भूलिए कि हम हिंदू हैं और हम हर धर्म का आदर करते हैं और यह सहिष्णुता ही हमारी पहचान है जो हमें औरों से अलग पहचान देती है' ।बस, यही मनोविज्ञान हमारी समस्या है, हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का फलसफा समझाने वाले अंत में अपने तथाकथित धर्म की विशिष्टता बताने का मोह नहीं छोड़ पाते। यही बात किसी मुस्लिम धर्म को मानने वाले ने कही होती तो इस तरह होती शायद, 'मत भूलिए कि हम मुस्लिम हैं और कुरान पाक मानवता का पाठ पढ़ाती है, हमारी यही बात हमें औरों से अलग पहचान देती है'। एकता और भाईचारे की बात करते हुए कितनी खूबसूरती से अलग हो गए दोनों। इस विषय में ओशो के विचार बिल्कुल व्यावहारिक हैं। तनिक ध्यान से सुनें, ओशो कहते हैं- 'हिंदू मुस्लिम को भाई-भाई समझाने से ये धार्मिक भेदभाव समाप्त नहीं होंगे। ऐसा करने से कुछ फायदा तो हुआ नहीं है, वरन नुकसान अधिक हुआ है। हिंदुस्तान के समझदार नेता हिंदू और मुसलमान को भाई-भाई होना न समझाते तो शायद पार्टीशन न होता। उसके कारण हैं। जब हमने पचास साल तक निरंतर कहा कि हिंदू-मुसलमान भाई-भाई हैं। फिर भी हिंदू-मुसलमान साथ-साथ रहने को राजी नहीं हुए तो भाई-भाई के तर्क ने लोगों को ख्याल दिया कि अगर दो भाई साथ न रह सकें तो संपत्ति का बंटवारा कर लेना चाहिए। गांधी जी ने हिंदुस्तान को मुसलमान-हिंदू के भाई-भाई की शिक्षा न दी होती तो पार्टीशन का लॉजिक ख्याल में भी नहीं आ सकता था। हम कभी नहीं कहते कि ईसाई-ईसाई भाई-भाई हैं। हम यह क्यों कहते हैं कि मुसलमान-हिंदू भाई-भाई हैं। यह 'भाई-भाई' का कहना जो है, खतरे की सूचना है। इससे पता चलना शुरू हो गया कि झगड़ा खड़ा है..'। इसका हल है कि हम प्रेम करें। प्रेम का पाठ पढ़ाएं, प्रेम का पाठ पढ़ें। क्योंकि, प्रेम शुरू पहले हो जाता है, पता पीछे चलता है-कौन हिंदू है, कौन मुसलमान है। और जब एक बार प्रेम शुरू हो जाए तो हिंदू-मुसलमान दो कौड़ी की बातें हैं। उनको आसानी से फेंका जा सकता है। जहा प्रेम नहीं है, वहीं इन बातों का मतलब है।

भटक गए हैं हमारे आदर्श

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

हमारे जीवन की दशा और दिशा अब करीब-करीब पूरी बदलती ही जा रही है। पहले हम अच्छे इंसान बनने और सर्वोत्तम मानव होने की प्रतिष्ठा पाने के लिए पूरा जीवन होम दिया करते थे, अपने स्वार्थ केन्द्रित और आत्मस्वार्थी खुदगर्ज स्वभाव को छोड़कर समाज, क्षेत्र और देश के लिए जीते थे और लगातार दिन-रात कर्मरत रहते हुए किसी न किसी क्षेत्र या विषय विशेष में महारत हासिल कर अपने व्यक्तित्व को प्रखर एवं लोकोपयोगी बनाते हुए समाज की सेवा एवं परोपकार के लिए समर्पित होने के लिए आतुर रहा करते थे। बीते जमाने में हर कोई हुनरमन्द होता था और समाज तथा क्षेत्र के लिए उसकी उपयोगिता हुआ करती थी। इसी सामूहिक कौशल शक्ति के बल पर हमारे पुरखे ऐसे-ऐसे काम कर गए जिन्हें आज भी श्रद्धा, सम्मान और गौरव के साथ याद किया जाता है। पुराने समय में हर व्यक्ति अपने आपको उच्चतम स्तर तक निखारने और इंसान के रूप में सर्वोच्च प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए समर्पित एवं लगनशील रहता था। और इस सारी प्रक्रिया में न उसका किसी से कोई दुराव या प्रतिस्पर्धा भाव था और न ही किसी प्रकार का कोई असम्मान या प्रतिशोध। जो कुछ अर्जित किया जाता था वह प्रेम भाव से, गुरु-शिष्य परम्परा को आस्थापूर्वक निभाते हुए, सम्पूर्ण कृतज्ञता भाव से भरे हुए। इससे जुड़े साधनों और मार्गों में भी कोई शुचिताहीनता या भेदभाव नहीं था। हर व्यक्ति को मानव जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के बारे में पता होता था और उसी को ध्यान में रखकर वह अपने जीवन की दिशा और भविष्य के रास्तों और लक्ष्यों को तय करता हुआ आगे बढ़ता था। उसे अच्छी तरह इस बात का भान था कि वह समाज के लिए है, राष्ट्र के लिए है, इसलिए इनके सिवा सारी बातें, व्यक्ति और प्रवाह का कोई ज्यादा असर नहीं हुआ करता था। इंसान को अच्छी तरह पता होता था कि मानव जीवन केवल एक बार शरीर धारण करने तक सीमित नहीं है बल्कि बार-बार जन्म लेना पड़ता है और तब कहीं जाकर मोक्ष प्राप्त हो सकता है। इसलिए वह अपने शरीर को साधन मानकर बौद्धिक और शारीरिक रूप से उत्तरोत्तर समृद्ध बनने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहता था। उसे यह ज्ञान था कि इस जन्म में जो कुछ संचित होगा, वह अगले जन्म तक जुड़ता रहेगा और मरणोपरान्त मनुष्य के रूप में अच्छे कर्म करता रहा, तो आने वाला जन्म मनुष्य का ही प्राप्त होगा। इसलिए पुरुषार्थ और परिश्रम में कहीं कोई कमी नहीं रखता। किसी के कहने पर नहीं बल्कि वह स्वैच्छिक रूप से अपने आप अपने, समाज और क्षेत्र के कामों में भागीदारी निभा लेता था और उन कामों से उसे जो आत्म संतुष्टि और आनन्द प्राप्त होता था वह वर्णनातीत हुआ करता था। जीवन को भी उल्लास एवं आनंद से भरा रखता था तथा श्रेष्ठ कर्मों और सेवा-परोपकार की वजह से उसका पुण्य भण्डार भी लगातार बढ़ता रहता। बीते युगों से लेकर हाल के तीन-चार दशकों तक यह आदर्श स्थिति देखी जा सकती थी लेकिन अब जिस तरह के लोग सामने आ रहे हैं उन्हें देख कर लगता है कि वर्क कल्चर, सेवा भाव और परोपकार की भावनाएं खत्म होती जा रही हैं। लोग काम करना ही नहीं चाहते। कुछ अतिरिक्त न मिले, तो हिले-डुले तक नहीं। अब ऐसे-ऐसे लोग सामने आते जा रहे हैं जिन्हें पुरुषार्थ और मेहनत से कोई सरोकार नहीं, न काम करना चाहते हैं, न काम हो पाता है। देश का सौभाग्य है कि पुरानी पीढ़ी के कुछ फीसदी निष्ठावान, समर्पित और समाजोन्मुखी लोगों के कारण से सब कुछ चल पा रहा है अन्यथा आज के युवाओं की स्थिति इनके कर्मयोग और समर्पित निष्ठाओं, त्याग-तपस्या और जिजीविषा के आगे कुछ भी नहीं है। पुराने जमाने के लोगों ने जिन पारिवारिक, भौगोलिक, आर्थिक विषमताओं, अभावों और समस्याओं में झूझते रहकर जो कुछ किया है, उसकी कल्पना आज के युवा नहीं कर सकते। इन युवाओं का भी दोष नहीं है। पुरानी और नई पीढ़ी के बीच वाली पीढ़ी में खूब सारे लोग ऐसे नुगरे, निरंकुश और स्वेच्छाचारी निकल गए हैं जिन्हें लगता है कि स्वाधीनता का अर्थ यही है कि काम-धाम कुछ न करना पड़े, बंधी-बंधायी मिलती रहे, एक्स्ट्रा के लिए जुगाड़ में रमे रहकर पैसा बनाओ और अपने घर भरते रहो। इन लोगों में ही काफी फीसदी ऐसे हैं जो आदतन मुफ्तखोर मॉंसाहारी, शराबी, व्यसनी, दैहिक आनंद के रसिया और शरीर को ही सर्वस्व मानकर सम्पूर्ण भोगों में लिप्त रहकर टाईमपास करते हुए जी रहे हैं। इन्हें अपनी संस्थाओं, संस्थानों, समाज, क्षेत्र और देश से कुछ भी लेना-देना नहीं रहा। और इन सारी भोग सामग्री को मुफ्त में पाने के लिए ये जिस तरह की हरकतें करते रहे हैं, इस बारे में सभी को पता है। भय, प्रलोभन, झाँसे, काम निकलवाने की शर्तों आदि कई प्रकार की चाशनिया बातों में उलझाते हुए सब कुछ मुफ्त में, हराम का पाने-पीने के आदी इन लोगों को किसी से कोई भय नहीं रहा क्योंकि अब इन्हीं जैसे लोगों का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। ऐसे लोग जिन घर-परिवार और संस्थानों में होते हैं उनका बंटाढार अपने आप हो ही जाता है क्योंकि दुर्व्यसनी इंसानों के अंग-प्रत्यंग शिथिल रहा करते हैं और एक समय बाद उस जीवात्मा को अपना सम्बल देना बंद कर देते हैं क्योंकि भीतर से कुलबुलाई हुई आत्मा इन कुकर्मियों के पापी शरीर को छोड़कर बाहर निकलना चाहती है। हैरत की बात ये है कि ऐसे लोग धर्म के नाम पर होने वाले आयोजनों में ऐसी श्रद्धा दिखाते हैं जैसे कि इनके मुकाबले का कोई धार्मिक और कोई हो ही नहीं। धर्म और देश का भी यह दुर्भाग्य है कि बाबा, महंत, महामण्डलेश्वर और धर्म के नाम पर धंधे चलाने वाले लोग भी इन शोषकों, व्यभिचारियों और नशेड़ियों के साथ संबंध रखते हुए इनके पैसों से धार्मिक आयोजन कराने में रुचि लेते हैं। जिस धार्मिक आयोजन में ऐसी अलक्ष्मी लगी हो, ऐसे दुराचारी और कर्महीन लोग जुड़े हों, उस आयोजन को कैसे धार्मिक कह सकते हैं। लानत है हमारे इन लालची, लोभी और धूर्त-मक्कार साधु-संतों, महंतों और बाबाओं को, और उनकी अनुचरी करने वाले अनुयायियों को भी। पता नहीं धर्म कहाँ जा रहा है। जिस धर्म में दुराचारियों, भ्रष्टाचारियों, शराबी व माँसाहारियों, शोषकों, अमानवीय लोगों का पैसा लगा होता है वहाँ न कोई देवी-देवता आते हैं, न लोक देवता। दुनिया भर में एक तरफ इन लोगों के भार से पृथ्वी दबी जा रही है वहीं दूसरी ओर समाज और संसार भी दुःखी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वाली इस संक्रामक और वर्णसंकरी कही जा सकने वाली मुफ्तखोर और आलसी पीढ़ी का सर्वाधिक नुकसान हमारी युवा पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है क्योंकि सब जगह न्यूनाधिक रूप में इस किस्म के नाकारा और कामटालू लोगों को देखकर नई पीढ़ी के लोग भी इनकी तरह आलसी हो जाते हैं और सोचते हैं कि जितना कम से कम करना पड़े, उतना अच्छा। हमारे से पहले वाले भी कौन का पूरा काम कर रहे हैं। जबकि नई पीढ़ी के लोगों को सिखाने, कर्मयोग में दक्ष बनाने और अपनी संस्थान या संस्था के लिए ज्यादा से ज्यादा उपयोगी बनाने का काम इन पुराने लोगों का है, लेकिन जब वे ही ऐसे निकल जाएं तो फिर किससे उम्मीद रखें। यही कारण है कि आजकल नए लोग भी इन नाकारा, थकेहारे और आलसी-दरिद्री लोगों को अपना आदर्श मानने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहे हैं। इससे न केवल संस्थान का नुकसान होता है बल्कि समाज, मातृभूमि और कर्मभूमि तथा समूचे देश के साथ कुठाराघात हो रहा है। ऐसे निराशाजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हालातों के बावजूद नई पीढ़ी अपने हुनर और शिक्षा-दीक्षा तथा अनुभवों के आधार पर बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके लिए कर्म के प्रति निष्ठा रखने वाले ये युवा धन्यवाद के पात्र हैं। साथ ही वे पुराने लोग भी, जो कि सम सामयिक अनाचारों और व्यसनों से दूर रहकर काम को ही पूजा मानकर अब तक अपने श्रेष्ठ और समर्पित कर्मयोग के बूते अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हुए इस बात को सिद्ध कर रहे हैं कि पुराने घी में बहुत कुछ दम रहा है और रहेगा।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अब जापान में भी शुरू हो रहा है गूगल समाचार शोकेस

टोक्यो। एक बिलियन डॉलर का समाचार लाइसेंसिंग कार्यक्रम गूगल समाचार शोकेस, जो अपने सभी प्लेटफॉर्म पर कार्ड-आधारित सामग्री को सामने लाकर प्रकाशकों का समर्थन करता है, अब जापान में आ रहा है। भारत, जर्मनी, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जापान, यूके, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, इटली, कनाडा, ऑस्ट्रिया और कोलंबिया जैसे देशों में समाचार प्रकाशनों से संबंधित जुलाई में 800 से अधिक लगभग 1,000 साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। टेक दिग्गज ने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक प्रकाशन स्थानीय या सामुदायिक समाचार प्रदान करते हैं। जापान में, गूगल ने 40 से अधिक प्रकाशकों के साथ साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय समाचार संगठन शामिल हैं। समाचार शोकेस कार्ड देखने योग्य होते हैं और मोबाइल पर गूगल डिस्कवर के साथ-साथ वेब, एंड्रॉयड और आईओएस के लिए गूगल समाचार में दिखाई देने लगेंगे। पहले की फीड में, उपयोगकर्ता उन्हें उन प्रकाशनों से प्राप्त करेंगे जिनका वे पहले से अनुसरण कर रहे हैं, जबकि उपयोगकर्ता समाचार के आपके लिए और अखबार स्टैंड टैब में पैनल ढूंढ सकते हैं। इन लाइसेंसिंग अनुबंधों में गूगल को प्रकाशकों को भुगतान करने के लिए कुछ निश्चित भुगतान वाली सामग्री को अनलॉक करने के लिए समाचार सामग्री की विस्तृत श्रृंखला मुफ्त में प्रदान करने और मुफ्त सदस्यता को प्रोत्साहित करने के लिए भी देखता है।

गैर-खुदरा निवेशकों के लिए खुला हिंदुस्तान कॉपर ओएफएस

नई दिल्ली। निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया के बीच हिंदुस्तान कॉपर में सरकारी इक्विटी की बिक्री का प्रस्ताव गुरुवार को खुल गया है। सरकार मेटल और माइनिंग कंपनी में ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 116 रुपये के फ्लोर प्राइस पर 10 फीसदी तक हिस्सेदारी बेच रही है। 16-17 सितंबर को होने वाला यह ऑफर गुरुवार को गैर खुदरा निवेशकों के लिए खुला है। यह शुक्रवार को खुदरा निवेशकों को अनुमति देगा। ओएफएस में 5 प्रतिशत ग्रीन-शू विकल्प शामिल है। सरकार 4,83,31,201 इक्विटी शेयर बेच रही है जो कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 5 प्रतिशत है। इसके अलावा, प्रस्ताव में ग्रीन शू विकल्प के तहत 4,83,51,201 इक्विटी शेयरों को अतिरिक्त रूप से बेचने का विकल्प शामिल है। हिंदुस्तान कॉपर ने 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 53.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 45.63 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की थी।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से गुरुवार को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 73.52 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 73.51 रुपये प्रति डॉलर पर बदलाव के बिना ही खुला। कारोबार के दौरान रुपया 73.52 रुपये के निचले और 73.34 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की कमी के साथ 73.52 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 73.50 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का रुख दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी बढ़कर 92.77 हो गया।

विनिवेश उड़ान : केंद्र को एयर इंडिया के लिए वित्तीय बोलियां मिलीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश के लिए केंद्र सरकार को बुधवार को कई वित्तीय बोलियां मिलीं। टाटा संस और उद्योगपति अजय सिंह ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में एयर इंडिया के लिए वित्तीय बोलियां जमा की हैं। सूत्रों के मुताबिक, घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट के प्रवर्तक सिंह ने कुछ अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर एयरलाइन के लिए एक संयुक्त बोली लगाई है। टाटा संस के प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, टाटा ने एयर इंडिया के लिए वित्तीय बोली जमा की है। डीआईपीएएम के सचिव तुहिन कांता पांडे ने ट्विटर पर कहा कि विनिवेश प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। उन्होंने पोस्ट किया, एयर इंडिया के विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां लेनदेन सलाहकार को मिलीं। प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। टाटा की बोली बहुप्रतीक्षित थी, क्योंकि उसका नाम पिछले कुछ समय से चर्चा में था। सरकार ने देर से राष्ट्रीय वाहक के निजीकरण को तेजी से ट्रैक करने के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में, सरकार ने राष्ट्रीय वाहक से एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड, एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को संपत्ति के हस्तांतरण पर कर माफ करने का निर्णय लिया। अधिसूचना में कहा गया है, केंद्र सरकार एतद्वारा निर्दिष्ट करती है कि केंद्र द्वारा अनुमोदित योजना के तहत एयर इंडिया एसेट होल्डिंग लिमिटेड को अचल संपत्ति के हस्तांतरण के लिए एयर इंडिया लिमिटेड को किए गए किसी भी भुगतान पर अधिनियम की धारा 194-आईए के तहत कर की कोई कटौती नहीं की जाएगी। इसके अलावा, सीबीडीटी ने पूर्व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के नए मालिकों को प्रस्तावित निजीकरण प्रक्रियाओं के लिए अधिक रुचि बढ़ाने के लिए भविष्य के मुनाफे के खिलाफ घाटे को आगे बढ़ाने और उन्हें बंद करने की अनुमति दी। वित्तवर्ष 2021-22 के बजट भाषण के दौरान, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सभी प्रस्तावित निजीकरण की प्रक्रिया वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरी हो जाएगी, जिसमें एयर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश में बहुत देरी भी शामिल है।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने ओर चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 491 रुपये की गिरावट के साथ ही 45,735 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,226 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी की कीमत भी 724 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,541 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 62,265 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ ही 1,786 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 23.60 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

सैमसंग जल्द पेश करने वाला है ओएलईडी डिस्प्ले लैपटॉप

सियोल (एजेंसी)।

सैमसंग डिस्प्ले ने घोषणा की है कि 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट वाले लैपटॉप ओएलईडी स्क्रीन का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है, क्योंकि दक्षिण कोरियाई डिस्प्ले निर्माता ओएलईडी पैनल बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एक सहयोगी सैमसंग डिस्प्ले ने कहा कि उसके 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट ओएलईडी पैनल असूस के नवीनतम 14-इंच जेनबुक और वीवोबुक प्रो लैपटॉप में दिखाए गए हैं। रिफ्रेश रेट से तात्पर्य प्रति सेकंड कितनी बार डिस्प्ले एक नई छवि दिखाता है। एक उच्च ताजा दर का अर्थ है एक प्रदर्शन पर अधिक सहज, अधिक निर्बाध गति, लेकिन इसके लिए उच्च ग्राफिक्स प्रदर्शन और शक्ति की भी आवश्यकता होती है। कंपनी ने कहा,एक ओएलईडी पैनल एक एलसीडी पैनल की तुलना में बहुत तेजी से प्रतिक्रिया करता है और एलसीडी पैनल की तुलना में कम ताजा दर के साथ अधिक प्राकृतिक दिखने वाली छवि प्रदर्शित कर सकता है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग डिस्प्ले ने परीक्षण के दौरान कहा कि उसके 90 हर्ट्ज ओएलईडी पैनल ने 0.9 मिमी की धुंधली लंबाई दिखाई, वीडियो प्लेबैक में 120 हर्ट्ज एलसीडी पैनल की धुंधली लंबाई की तुलना में 10 प्रतिशत सुधार हुआ। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों को उम्मीद है कि सैमसंग डिस्प्ले ने इस साल लगभग 60 लाख ओएलईडी पैनल देने का लक्ष्य रखा है। मार्केट रिसर्चर डिस्प्ले सप्लाई चेन कंसल्टेंट्स (डीएससीसी) ने पहले भविष्यवाणी की थी कि वैश्विक ओएलईडी नोटबुक बाजार 2023 में 1.1 बिलियन डॉलर के राजस्व के साथ 9.4 मिलियन यूनिट तक बढ़ जाएगा। हमें उम्मीद है कि मिनीएलईडी से चुनौती को दूर करने की कोशिश करने और ओएलईडी नोटबुक में सैमसंग डिस्प्ले आक्रामक रहेगा।

शेयर बाजार में भारी उछाल , सेंसेक्स पहली बार 59,000 अंक से ऊपर निकला

निफ्टी भी रेकॉर्ड ऊंचाई 17,629 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को जबरदस्त तेजी रही। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज , आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में उछाल से बाजार पहली बार 59,000 अंक ऊपर निकल गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह और यूरोपीय बजारों के सकारात्मक रुख से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 417.96 अंक करीब 0.71 फीसदी की बढ़कर 59,141.16 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 59,204.29 अंक तक पहुंच गया था। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.05 अंक तकरीबन 0.63 फीसदी बढ़त के साथ ही नई ऊंचाई 17,629.50 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह रेकॉर्ड 17,644.60 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 7 फीसदी की तेजी के साथ सबसे ज्यादा लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसके अलावा, आईटीसी , एसबीआई , रिलायंस इंडस्ट्रीज , कोटक बैंक , आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। वहीं दूसरी ओर टीसीएस (टीसीएस), टेक महिंद्रा , टाटा स्टील , भारती एयरटेल , एचसीएल टेक और डा. रेड्डीज के शेयर गिरे हैं। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल (खरीददार) रहे जिससे बाजार को सहारा मिला। इन्होंने बुधवार को 232.84 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। वहीं देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने होम लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए त्योहारी सीजन के लिए ऑफर्स दिये हैं जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इस ऑफर का मकसद फेस्टिव सीजन में होम लोन को और किफायती बनाना है। एसबीआई ने होम लोन पर ब्याज दर को भी कम किया है।

जेएएम ट्रिनिटी ने बैंकिंग को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया : निर्मला सीतारमण

औरंगाबाद (महाराष्ट्र) (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि जेएएम (जनधन-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी भारत के लिए एक गेम चेंजर रहा है, जो उन्हें भविष्य में वित्तीय समावेशन प्रारूप को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। औरंगाबाद में आयोजित मंथन कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, वित्तीय रूप से बहिष्कृत लोगों को आगे लाकर, बचत करके और वास्तविक लाभार्थियों को सरकारी लाभ वितरित करके, नागरिकों को उनके बैंक लेनदेन पर एसएमएस अपडेट प्रदान करके जेएमएम ट्रिनिटी ने हमारी बैंकिंग को पूरी तरह से एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया है। वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट कहना है कि जेएएम ट्रिनिटी का उपयोग करके किसी के लिए बिना किसी असुविधा के वित्तीय समावेशन बेहतर तरीके से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, जेएएम ट्रिनिटी भारत जैसे देश के लिए एक गेम चेंजर है, यह भविष्यवादी है और सबका साथ, सबका विकास, सब का विश्वास के दर्शन को छू गया है। इसका उद्देश्य कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है, दूर-दराज व अछूते इलाकों में और मुख्यधारा से दूर लोगों को बिना किसी भेदभाव के लाभ पहुंचाना है। सीतारमण ने कहा कि पीएमजेडीवाई खातों ने सरकार को सभी तक पहुंचने में मदद की, भले ही खाते शून्य शेष खाते थे। यहां तक कि जो लोग मुख्यधारा में आने से हिचकिचाते थे, उन्हें भी उनके खाते खोलने, रुपे कार्डो के वितरण और बीमा कवर के साथ लाया गया और उन्हें विश्वास दिलाया गया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान जनधन द्वारा लाया गया वित्तीय समावेश महत्वपूर्ण है। जनधन के कारण ही कई लोगों और छोटे व्यवसायों को जमानत-मुक्त ऋण मिला है। सीतारमण ने कहा, आधार लिंकेज ने देश को बहुत अधिक चोरी से बचाया है। इस माध्यम से सरकार वास्तविक लाभार्थियों तक पैसा पहुंचाने में सक्षम हुई है। बैंक खातों की आधार सीडिंग ने हमें तत्काल केवाईसी लाभ दिया। इससे लाभार्थियों को सीधे उनके जन धन और केवाईसी-सत्यापित खातों में लाभ मिल रहा है।

वहीं, वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने सभा को संबोधित करते हुए सरकार के वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों द्वारा लाए गए परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बैंकरों से उन आकांक्षी जिलों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, जो अभी तक वित्तीय समावेशन लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। कराड ने यह भी उल्लेख किया कि मुद्रा ऋण को और अधिक परेशानी मुक्त और उन लोगों के लिए उपलब्ध कराने का निर्णय लिया जाएगा जो व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। इस समय भारत में पीएमजेडीवाई के तहत 43.23 करोड़ लाभार्थियों के खाते हैं। केंद्र ने हाल के वर्षों में त्वरित, सुरक्षित और न्यायसंगत बैंकिंग की सुविधा के लिए स्वदेशी प्लेटफार्मो की एक श्रृंखला शुरू की है। उदाहरण के लिए, भीम यूपीआई एप्लिकेशन अब भारतीय बाजार का एक सर्वोत्कृष्ट घटक है।

इसने हाल ही में वित्तीय लेनदेन के लिए इंटरनेट की जरूरत को कम करने के लिए ई-आरयूपीआई वाउचर सुविधा भी शुरू की है। औरंगाबाद में मंथन सम्मेलन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से वित्तीय समावेशन के सरकार के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।

मई में महंगाई दरों में आई गिरावट - आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा ने गुरुवार को कहा कि मई से भारत की महंगाई दरों में गिरावट आई है। सीआईआई के वित्तीय बाजार शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा, मई के झटके से मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन मुख्य मुद्रास्फीति अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। पात्रा के अनुसार, जब तक आवश्यक आवास की मौद्रिक नीति का रुख प्रणाली में पर्याप्त तरलता में परिलक्षित होता है, जिसमें आरबीआई द्वारा दैनिक आधार पर 9 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध अधिशेष को अवशोषित किया जाता है। हालांकि, बाजार आने वाले डेटा के साथ इस रुख का लगातार पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं और नीति के भविष्य के पाठ्यक्रम पर निश्चित आश्वासन मांग रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने एमपीसी के आकलन की ओर इशारा किया कि मुद्रास्फीति के दबाव बड़े पैमाने पर आपूर्ति के झटके से प्रेरित होता हैं।

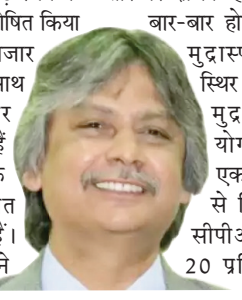

हालांकि इस प्रकार के झटके आम तौर पर क्षणिक होते हैं, झटके की बार-बार होने वाली घटनाएं मुद्रास्फीति को एक स्थिर चरित्र दे रही हैं। मुद्रास्फीति में योगदान माल के एक संकीर्ण समूह से निकल रहा है - सीपीआई के लगभग 20 प्रतिशत का गठन करने वाली वस्तुएं मुद्रास्फीति का 50 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एमपीसी मूल्य स्थिरता के अपने प्राथमिक जनादेश के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे संख्यात्मक रूप से 4 प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है, इसके चारों ओर प्लस या माइनस 2 प्रतिशत का सहिष्णुता बॉन्ड है। विकास और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए और अवस्फीति की अंतर्निहित उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए, एक ग्लाइड पथ की परिकल्पना करना व्यावहारिक है। जिसके साथ एमपीसी भविष्य में मुद्रास्फीति के मार्ग को आगे बढ़ा सकता है।

ओला ने एक दिन में की 600 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक ने गुरुवार को घोषणा की है कि उसने बुधवार को एक ही दिन में 600 करोड़ के ई-स्कूटर बेचे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, हमने हर सेकंड 4 स्कूटर बेचे! वास्तव में, केवल 24 घंटों में हमने 600 करोड़ से अधिक मूल्य के स्कूटर बेचे हैं! यह कीमत के संदर्भ में, पूरे 2डब्ल्यू उद्योग द्वारा एक दिन में बिक्री की तुलना में काफी अधिक है! कोई गलती न करें, इलेक्ट्रिक वाहनों का जमाना आ गया है। जुलाई में कंपनी ने घोषणा की कि उसके इलेक्ट्रिक स्कूटर को पहले 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड-तोड़ 100,000 बुकिंग प्राप्त हुए हैं, जिससे यह दुनिया में सबसे पहले से ज्यादा बुक किया गया स्कूटर बन गया था। ओला इलेक्ट्रिक ने 15 जुलाई की शाम को अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए बुकिंग शुरू की थी।

ओला एस1 और एस1 प्रो को एक महीने बाद 15 अगस्त को लॉन्च किया गया था। खरीद प्रक्रिया में रंग और संस्करण का चयन करना, लोन का चयन करना या अग्रिम भुगतान करना शामिल है और डिलीवरी की तारीख प्राप्त करना है। डिलीवरी अक्टूबर 2021 से शुरू होगी। खरीदारों को खरीद के 72 घंटों के भीतर अनुमानित डिलीवरी की तारीखों के बारे में सूचित किया जाएगा। ओला एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत 99,999 रुपये और एस1 प्रो मॉडल के लिए 1,29,999 (फेम 2 सब्सिडी सहित एक्स-शोरूम और राज्य सब्सिडी को छोड़कर) रखी गई है। ओला स्कूटर को ओला इलेक्ट्रिक का एक क्रांतिकारी प्रोडक्ट कहा जाता है, जिसमें क्लास-अग्रणी गति, अभूतपूर्व रेंज, सबसे बड़ा बूट स्पेस और साथ ही उन्नत तकनीक है जो इसे ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए काफी है। कंपनी ने कहा कि इसे बड़े पैमाने पर सुलभ बनाने के लिए इसकी कीमत आक्रामक तरीके से तय की गई हैं और इसे दुनिया के लिए मेड इन इंडिया बनाया गया है, जिसका निर्माण कंपनी के अत्याधुनिक फ्यूचरफैक्ट्री में किया है।

कोविड उपचार में कैसे मदद कर सकता है एआई उपकरण

लंदन (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपकरण बनाया है जो यह अनुमान लगा सकता है कि एक कोविड-19 मरीज को कितनी अतिरिक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता हो सकती है। एनवीआईडीआईएए के सहयोग से दुनिया भर में 20 से अधिक अस्पतालों (एआई प्रौद्योगिकी में अग्रणी) ने पांच महाद्वीपों के डेटा का उपयोग करके एक नई एआई-आधारित तकनीक का परीक्षण किया, जिसे फेडरेटेड लर्निंग के रूप में जाना जाता है। यह तकनीक कोविड के लक्षणों वाले अस्पताल के मरीजों के छाती के एक्स-रे और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करने के लिए एल्गोरिथ्म का उपयोग करती है। नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित परिणामों से पता चलता है कि यह 95 प्रतिशत की संवेदनशीलता और 88 प्रतिशत से अधिक की विशिष्टता के साथ आपातकालीन विभाग में एक मरीज के आने के 24 घंटों के भीतर आवश्यक ऑक्सीजन की भविष्यवाणी करता है। सख्त रोगी गोपनीयता बनाए रखने के लिए, रोगी डेटा को पूरी तरह से गुमनाम कर दिया गया था और प्रत्येक अस्पताल को एक एल्गोरिथ्म भेजा गया था ताकि कोई डेटा साझा न किया जाए या उसका स्थान न छोड़ा जाए। अमेरिका में मास जनरल ब्रिघम से डॉ इत्ज़ई दयान ने कहा, आमतौर पर एआई विकास में, जब आप एक अस्पताल के डेटा पर एक एल्गोरिथ्म बनाते हैं, तो यह किसी अन्य अस्पताल में अच्छी तरह से काम नहीं करता है। विभिन्न महाद्वीपों से फेडरेटेड लर्निंग और उद्देश्य, मल्टीमॉडल डेटा का उपयोग करके परीक्षा मॉडल विकसित करके, हम यह बनाने में सक्षम थे। सामान्यीकृत मॉडल जो दुनिया भर में फ्रंटलाइन चिकित्सकों की मदद कर सकता है, जहां परीक्षा एल्गोरिथ्म विकसित किया गया था। अध्ययन में दुनिया भर के लगभग 10,000 कोविड रोगियों के परिणामों का विश्लेषण किया गया।

ट्रिपल फोल्ड डिस्प्ले के साथ वाइल्ड मेट स्मार्टफोन पर काम कर रही हुआवे

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी तकनीकी दिग्गज हुआवे कथित तौर पर ट्रिपल फोल्ड डिस्प्ले वाले वाइल्ड मेट फोल्डेबल स्मार्टफोन पर काम कर रही है। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के साथ दायर एक पेटेंट से पता चला है कि आगामी हुआवे डिवाइस सैमसंग जेड फ्लेक्स के समान है, जिसे पिछले महीने प्रदर्शित किया गया था। जारी किया गया 41-पृष्ठ का दस्तावेज डिवाइस के लिए ब्लूप्रिंट दिखाता है, जो कुल सात स्क्रीन भागों को दिखाता है। उनमें से चार इस्टेट देखने के लिए बड़े हैं, जबकि शेष तीन डिस्प्ले को मोड़ने की अनुमति देने के लिए हैं। कंपनी के पास स्टाइलस और सब-डिस्प्ले के साथ एक नया फोल्डेबल स्मार्टफोन भी है। हुआवे ने सीएनआईपीए (चाइना नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एडमिनिस्ट्रेशन) के साथ डिजाइन पेटेंट दायर किया है, जिसे अब स्वीकृति और प्रकाशन मिल गया है। फोल्डेबल स्मार्टफोन प्राइमरी स्क्रीन के ठीक बगल में एक

स्टाइलस और एक सब-डिस्प्ले के साथ आएगा, जो एक इनवर्ड फोल्डिंग डिजाइन का अनुसरण करता है। इसके अलावा, हुआवे ने हाल ही में ऑल-स्क्रीन फिंगरप्रिंट अनलॉक तकनीक वाले स्मार्टफोन के लिए एक पेटेंट दायर किया है। कंपनी ने खुलासा किया है कि नई फुल-स्क्रीन फिंगरप्रिंट तकनीक यूजर्स को फोन को अनलॉक किए बिना टेक्स्ट संदेशों का जवाब देने की अनुमति देगी।

दिल्ली कैपिटल्स कैंप से जुड़ने के लिए चार महीने इंतजार किया : पोंटिंग

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने टीम के साथ जुड़ने के लिए चार महीने का इंतजार किया है। पोंटिंग ने कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स कैंप में वापस आने के लिए चार महीने से इंतजार कर रहा था। मेरे पास इतना अच्छा समय होता है जब मैं टीम के साथ काम करता हूं और यह मेरे कैलेंडर वर्ष का एक अच्छा समय होता है। यहां जो हो रहा है, उस पर मेरी पैनी नजर है। मैं यहां कोचिंग स्टाफ से बात कर रहा हूं और उन्होंने अब तक (प्री-सीजन कैंप में) अच्छा काम किया है। आप खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए तीव्रता और रवैये से देख सकते हैं कि यह वास्तव में अब तक एक सार्थक शिविर रहा है। अगले चार-पांच हफ्तों में हमें जो कुछ भी मिलने वाला है, उसे लेकर मैं वास्तव में उत्साहित हूं। 46 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी की राय है कि आईपीएल 2021 सीजन के पहले चरण में टीम का प्रदर्शन कोई मायने नहीं रखता और उन्हें एक बार फिर से शुरूआत करनी होगी। पोंटिंग ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमने सीजन के पहले हाफ में क्या किया है। चार महीने हो गए हैं जब हमने वास्तव में कुछ अच्छा क्रिकेट खेला है, इसलिए हमें फिर से शुरूआत करनी होगी। टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए हमें खुद का निर्माण करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम टूर्नामेंट के आखिरी छोर पर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें।

डेविस कप :

फिनलैंड के खिलाफ भारत को करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एस्पू (फिनलैंड) (एजेंसी) ।

भारत के एकल खिलाड़ियों को शुक्रवार से शुरू हो रहे डेविस कप विश्व ग्रुप वन मुकाबले में फिनलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। प्रजनेश गुणेश्वरन और रामकुमार रामनाथन को बड़े मैच खेलने का अनुभव है। उन्होंने बेहतर खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है लेकिन अब करीबी मुकाबले खेलने से आगे बढने की जरूरत है। उन्हें बड़े मैच जीतने होंगे ताकि भारत अगले साल क्वालीफायर में जगह बना सके। रामकुमार अगर 2014 अमेरिकी ओपन चैम्पियन क्रोएशिया के मारिन सिलिच के खिलाफ पिछले मैच में किये गए प्रदर्शन को दोहरा सके तो भारत यह मुकाबला जीत सकता है। भारत के दूसरी रैंकिंग वाले खिलाड़ी रामकुमार का सामना फिनलैंड के नंबर एक खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी से होगा जो विश्व रैंकिंग में 74वें स्थान पर है। रामकुमार अगर यह मुकाबला जीत जाते हैं तो भारत पर से दबाव कम हो जायेगा। ऐसे में प्रजनेश के लिये ओट्टो विर्तानेन के खिलाफ मुकाबला आसान होगा। प्रजनेश विश्व रैंकिंग में 165वें और ओट्टो 419वें स्थान पर हैं। प्रजनेश बड़े मुकाबलों में बढत बनाने के बाद हारते आए हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छे खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले करीबी रहते हैं। मैने उनके खिलाफ जीते भी हैं और हारे भी। करीबी मुकाबलों का नतीजा कुछ भी निकल सकता है। भारत के लिए खेलते हुए कोई दबाव नहीं होता। कई बार दबाव अधिक होता है और कई बाद कम। यह इस पर निर्भर करता है कि आप उसका सामना कैसे करते हैं। लिएंडर पेस और महेश भूपति के दौर में युगल मुकाबला भारत के लिये जीता हुआ माना जाता रहा है लेकिन अब हालात बदल गए हैं। रोहित बोपन्ना के पास अनुभव है लेकिन उन्हें एक टीम के रूप में दिविज शरण के साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उनका सामना हेनरी कोंटिनेन और हैरी हेलिओवारा जैसी कठिन टीम से है। बोपन्ना और शरण ने एकमात्र मुकाबला साथ में मार्च 2019 में इटली के खिलाफ खेला है। बोपन्ना अब तक पेस या साकेत माइनेनी के साथ खेलते आये हैं। अब देखना यह होगा कि कप्तान रोहित राजपाल बोपन्ना के साथ शरण या माइनेनी में से किसे उतारते हैं। राजपाल का मानना है कि हालात पूरी तरह से मेजबान के अनुकूल नहीं हैं क्योंकि कोर्ट पर उछाल कम है। इसका फायदा भारतीय खिलाड़ियों को मिल सकता है।

भारत का न्यूजीलैंड का एक दिवसीय दौरा 2022 तक स्थगित

वेलिंगटन (एजेंसी)।

भारत व्यस्त कार्यक्रम और कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों के कारण इस साल न्यूजीलैंड का दौरा नहीं करेगा। भारत को अगर न्यूजीलैंड में विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला खेलनी है तो उसे 14 दिन के पृथकवास से गुजरना होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि भारत के खिलाफ मैच आस्ट्रेलिया में अगले साल टी20 विश्व कप के बाद खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड को इस साल नवंबर में दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करना है। न्यूजीलैंड गर्मियों में बांग्लादेश, नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा जबकि मार्च-अप्रैल में देश में महिला विश्व कप का आयोजन होगा। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने कहा, 'हमें ध्यान रखना होगा कि खिलाड़ी लंबी सर्दियों के बाद वापस लौटेंगे और हमें उन्हें घर में भी समय बिताने का मौका देना होगा। क्रिसमस से ठीक पहले भारत से लौटने पर न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को 14 दिन के पृथकवास से गुजरना होगा। इसके कारण न्यूजीलैंड 26 दिसंबर से बाक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी नहीं कर पाएगा और बांग्लादेश के खिलाफ पहला मुकाबला 28 दिसंबर या उसके बाद से खेला जा सकता है।

CPL 2021 : सेंट किट्स ने आखिरी गेंद पर सेंट लूसिया को हराकर जीता खिताब

बासेटेरे : मेजबान सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने आखिरी गेंद पर सेंट लूसिया किंग्स को तीन विकेट से हराकर पहली बार हीरो कैरेबियाई लीग खिताब जीत लिया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। लगातार विकेट गंवाने के बावजूद उसने सात विकेट पर 159 रन बनाए जिसमें रोस्टन चेस और रहकीम कॉर्नवाल ने 43-43 रन का योगदान दिया। कीमो पॉल ने 21 गेंद में 39 रन बनाये और एक ओवर में लगातार तीन छक्के जड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया । जवाब में पैट्रियट्स की जीत के नायक डोमिनिक ड्रेक्स रहे जिन्होंने 24 गेंद में 48 रन बनाए। किंग्स की शुरूआत अच्छी रही और खतरनाक क्रिस गेल को चेस ने जल्दी आउट कर दिया। इसके बाद एविन लुईस भी टिक नहीं सके । कप्तान ड्वेन ब्रावो के आउट होने के समय स्कोर पांच विकेट पर 95 रन था। इसके बाद ड्रेक्स ने अपना सर्वोच्च स्कोर बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

टी20 वर्ल्ड कप के बाद टी20 फार्मेट की कप्तानी छोड़ेंगे विराट कोहली

(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने टी20 फार्मेट की कप्तानी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। कोहली ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि वह टी20 वर्ल्ड कप के बाद टी20 फार्मेट की कप्तानी छोड़ेंगे। हालांकि कोहली के बाद भारतीय टी20 टीम की कप्तानी किसे मिलेगी इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन रोहित शर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है। विराट कोहली ने ट्विटर पर लिखा, मैंने भारत की ओर से खेलते हुए कई उपलब्धियां हासिल की। उनमें से एक उपलब्धि टीम इंडिया का कप्तान बनना भी रहा। मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने बतौर कप्तान मेरी जर्नी के दौरान मेरा साथ दिया। स्पोर्ट्स स्टाफ, लड़कों, सिलेक्शन कमेटी, कोच हर प्रशंसक जिन्होंने टीम इंडिया के लिए दुआ की, के बगैर यह संभव नहीं था। पिछले 8-9 सालों के खेल के दौरान वर्कलोड पर मैंने काफी सोचा। मैं तीनों फॉर्मेट में लगातार 5-6 साल से कप्तान हूं। अब मैं खुद को स्पेस देने की कोशिश करूंगा। इसके लिए अब मैं टीम इंडिया की टेस्ट और वनडे टीम के लिए तैयार रहूंगा। मैंने टी-20 के कप्तान के तौर पर टीम के लिए सबकुछ किया। अब मैं टी-20 में बतौर बल्लेबाज आगे बढ़ूंगा। हां जरूर, यह डिसिजन लेने के लिए अपने करीबी दोस्तों के साथ मुझे लंबा वक्त लगा। रवि भाई और रोहित हमेशा से हमारे लीडरशिप के हिस्से रहे हैं। अब मैं अक्तूबर में हो रहे टी-20 विश्व कप के बाद कप्तान नहीं रहूंगा। मैंने इसके बारे में सेक्रेटरी जय शाह और बीसीसीआई प्रेसिडेंट सौरव गांगुली और सिलेक्टर्स को अवगत कर दिया है। मैं भारतीय टीम के लिए अपनी पूरी क्षमता से योगदान देता रहूंगा। गौर हो कि पिछले कुछ दिनों से विराट कोहली के टी20 वर्ल्ड कप के बाद सीमित ओवरों की कप्तानी छोड़ने की खबरें सामने आई थी लेकिन बीसीसीआई ने हाल ही में एक बयान में इन्हें अफवाह करार दिया था।

डुरंड कप: जमशेदपुर एफसी और एफसी गोवा होंगे आमने सामने

कोलकाता (एजेंसी)।

आईएसएल की दो टीमें जमशेदपुर एफसी और एफसी गोवा का सामना ग्रुप बी के मैच में 130वें डुरंड कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की होड़ में बने रहने के लिए शुक्रवार को विवेकानंद युवा भारती क्रिरांगन (वीवाईबीके) में होगा। ग्रुप बी एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जमशेदपुर एफसी और आर्मी ग्रीन दोनों टीमों के पास तीन-तीन अंक है और दोनो टीमों ने एक मैच जीता है और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। अब जमशेदपुर को केवल जीत ही क्वार्टर फाइनल में जगह सुरक्षित करने का मौका दे सकती है। दूसरी ओर, आर्मी ग्रीन को सुदेवा दिल्ली एफसी के खिलाफ अपना मैच हारना होगा क्योंकि उन्हें जमशेदपुर के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में फायदा है, जहां उन्होंने जमशेदपुर को 3-1 से हराया था। अगर दोनो टीमों का मुकाबला ड्रा रहा तो जमशेदपुर नॉकआउट में जाएगा। मैच से पहले जमशेदपुर एफसी के कोच नोएल विल्सन ने कहा, गोवा निश्चित रूप से इस टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम है और यह मेरे खिलाड़ियों के लिए अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा साथ-साथ यह भी बताएगा कि वह कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। विल्सन ने कहा, यह हमारे युवा खिलाड़यों के लिए एक अवसर है क्योंकि उनकी उम्र में, हर किसी को आईएसएल टीम में खेलने का मौका नहीं मिलता है। मुझे उम्मीद है कि युवा इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएगें और अच्छा परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। एफसी गोवा दो मैचों में छह अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर है। नॉकआउट चरण से पहले वह जीत की लय को बनाए रखने की पूरी कोशिश करेंगे। जमशेदपुर के खिलाफ मैच में प्रयोग के विषय पर बोलते हुए एफसी गोवा के कोच, जुआन फेरांडो फेनोल ने कहा, हम बहुत अधिक प्रयोग नहीं करना चाहते हैं क्योंकि यह हमारी प्री-सीजन तैयारी है और यह एक निश्चित में काम करने का समय है। बेशक, हमारी अलग-अलग योजनाएं होंगी क्योंकि हम एक अलग प्रतिद्वंद्वी के साथ खेलेंगे लेकिन यह समय प्रयोग का नहीं है। ग्रुप बी की विजेता टीम 24 सितंबर को मोहन बागान मैदान में तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ग्रुप सी की दूसरी टीम से भिड़ेगी।

उम्मीद है कि मेरे ओलंपिक कांस्य से मणिपुर के यूवाओं को हॉकी खेलने की प्रेरणा मिलेगी : नीलाकांता

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

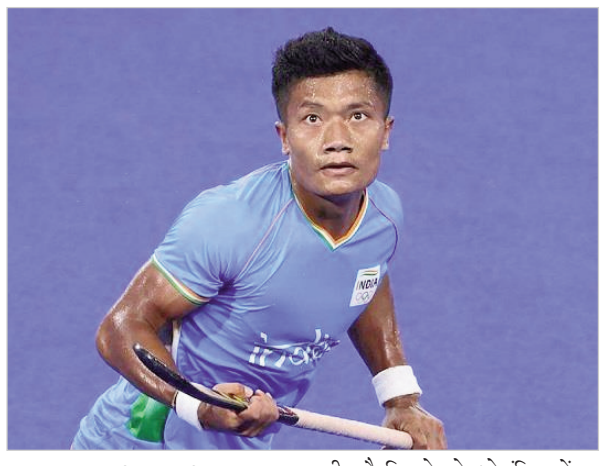

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मिडफील्डर नीलाकांता शर्मा को उम्मीद है कि तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद उनके राज्य मणिपुर के युवाओं को पेशेवर तौर पर हॉकी खेलने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने तोक्यो में कांस्य पदक जीता जो ओलंपिक में हॉकी में 41 साल बाद मिला पदक है। इससे पहले भारत ने मॉस्को ओलंपिक 1980 में कांस्य पदक जीता था। हॉकी इंडिया ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मणिपुर हॉकी में काफी क्षमता है। प्रदेश में कई अच्छी चीजें हो रही है और अच्छा बुनियादी ढांचा तैयार करने पर फोकस है। मुझे उम्मीद है कि तोक्यो ओलंपिक में मेरे प्रदर्शन से मेरे प्रदेश के युवाओं को हॉकी खेलने की प्रेरणा मिलेगी।' चार साल पहले सीनियर टीम में आये नीलाकांता का मानना है कि लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने अगले साल बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे सीनियर टीम के साथ पिछले कुछ साल में अपने प्रदर्शन पर आत्ममंथन करने का मौका मिला। मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत हूं जो भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। मैने उनसे बहुत कुछ सीखा है।' उन्होंने कहा, 'कोच ने हर खिलाड़ी को एक भूमिका दी है और मैं बस उस पर खरे उतरने की कोशिश करता हूं। मुझे लगता है कि अभी भी प्रदर्शन में काफभ् सुधार की गुंजाइश है। हम ओलंपिक में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। मुझे टीम बैठकें बहुत पसंद है क्योंकि सभी अपनी राय देते हैं और एक दूसरे से सीखते हैं।'

बुमराह का तोड़ डिविलियर्स के पास है: गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर का मानना है कि सिर्फ एबी डिविलियर्स ही हैं जो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे शानदार गेंदबाज का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान ने आगे कहा कि विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो विपक्षी टीम पर हावी हो सकते हैं। स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत में गंभीर ने कहा, विराट, एबी डिविलियर्स और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी से आरसीबी की टीम का शानदार संयोजन बैठता है। भले ही यह मैक्सवेल न हो पर डिविलियर्स एक ऐसे बल्लेबाज है जो बुमराह जैसे किसी गेंदबाज का सामना बहुत आसानी से कर सकते हैं। गंभीर ने कहा डिविलियर्स के अलावा मैंने किसी और खिलाड़ी को नहीं देखा जिसने बुमराह के खिलाफ लगातार शानदर प्र्दशन किया हो। क्रिकेटर से राजनेता बने गंभीर ने कोहली और डिविलियर्स के ऊपर पड़ रहे दबाव की भी बात की। गंभीर ने कहा, वे हमेशा विपक्ष पर हावी होना चाहते हैं, खासकर आईपीएल में। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है जहां आपके पास पांच या छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज होते हैं पर आईपीएल में आपके पास ऐसा नहीं होता है। आपको शायद दो या तीन अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज मिलते हैं और फिर आपके पास घरेलू गेंदबाज भी हैं, जिन पर आप हावी हो सकते हैं। इसलिए शायद विराट और डिविलियर्स पर भी बहुत दबाव है, जो अभी तक आईपीएल का खिताब एक बार भी नहीं जीते हैं। इस साल अगर आप नहीं जीतते हैं तो दबाव बढ़ता ही रहेगा। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितंबर से दुबई में शुरू होगा। आरसीबी अपने अभियान की शुरूआत 20 सितंबर को अबु धाबी में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी।

इस साल आईपीएल में दर्शकों के वापस आने से काफी उत्साहित : मोर्गन

दुबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयोन मोर्गन ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश करने की मंजूरी देने पर खुशी जाहिर की है। दर्शकों को सीमित संख्या में शामिल होने की मंजूरी देने की घोषणा बुधवार को की गई थी। इस दौरान कोरोना प्रोटोकॉल और यूएई सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। मोर्गन ने कहा, हम लोग काफी उत्साहित हैं कि इस साल आईपीएल में दर्शक वापस आ रहे हैं। काफी लंबा वक्त हो गया है जब ईडन गार्डन में केकेआर के दर्शकों की आवाज नहीं सुनी है। दर्भाग्य से यह घर नहीं है लेकिन मैं यहां यूएई में दर्शकों की आवाज सुनने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी इस कदम का स्वागत किया है और उन्हें भरोसा है कि दर्शकों के समर्थन से टीम को प्लेऑफ में पहुंचने में मदद मिलेगी। मैकुलम ने कहा, यह खबर काफी शानदार है। हम इस बारे में बात कर रहे थे कि क्या दर्शकों की वापसी होगी। अब हमें पता चला है कि वे वापस मैदान में आएंगे। उम्मीद करता हूं कि सभी स्टेडियम केकेआर के दर्शकों से भरा रहेगा। हम उनके समर्थन का इस्तेमाल करेंगे। हमारे सामने बड़ा टॉस्क है।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने पर नीरज की नजरें

कोलकाता (एजेंसी)।

भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनकी नजरें ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने पर टिकी हैं। नीरज का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.07 मीटर है। उन्होंने तोक्यो खेलों में 87.58 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक रिकॉर्ड आंद्रियास थोरकिल्डसेन के नाम है जिन्होंने 2008 में बीजिंग में 90.57 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा कि यह एक और उपलब्धि हासिल करना शानदार होगा। ओलंपिक में एथलेटिक्स का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय 23 साल के नीरज ने पहली बार कोलकाता आने पर कहा, 'ओलंपिक स्वर्ण पदक सर्वोच्च होता है। लेकिन एथलेटिक्स में आप एक और चीज अपने स्वर्ण पदक में जोड़ सकते हो- ओलंपिक रिकॉर्ड।' अपने लक्ष्य के बारे में उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय रिकॉर्ड 88.07 मीटर के साथ मेरे नाम पर है जबकि ओलंपिक रिकॉर्ड 90.57 मीटर है। अगर मैं एक कदम और आगे बढ़ पाता तो यह निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक होता।' नीरज निजी सम्मान समारोह के लिए यहां दो दिवसीय यात्रा पर आए हैं। कोलकाता पुलिस ने उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'मैं रोजाना नए लोगों से मिल रहा हूं, इतने सारे समारोह में हिस्सा ले रहा हूं। सबसे बड़ा बदलाव मुझे ओलंपिक में शामिल खेलों के लिए नजर आया। मुझे हमेशा से पता था कि स्वदेश लौटने पर अलग माहौल होगा।' व्यस्त कार्यक्रम के कारण नीरज 2021 सत्र में अब और टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं लेंगे। नीरज ने कहा कि अगले साल विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेल और डाइमंड लीग के रूप में तीन महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जल्द ही ट्रेनिंग शुरू करूंगा और इसके बाद असली लक्ष्य पर ध्यान लगाऊंगा।'

भाला फेंक के इस खिलाड़ी को इससे पहले बंगाल के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनोज तिवारी ने सम्मानित किया।

मनिका बत्रा एशियाई टेटे चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम से बाहर

नई दिल्ली । स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को 28 सितंबर से दोहा में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया क्योंकि उन्होंने सोनीपत में अनिवार्य राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा नहीं लिया था। दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी की अनुपस्थिति में 97वीं रैंकिंग की सुतिर्था मुखर्जी महिला टीम की अगुआई करेंगी। टीम में दो अन्य सदस्य अयहिका मुखर्जी (131वीं रैंकिंग) और अर्चना कामत (132वीं रैंकिंग) हैं। अनुभवी शरत कमल (33वीं रैंकिंग) पुरूष चुनौती की अगुआई करेंगे जिसमें जी साथियान (38वीं रैंकिंग), हरमीत देसाई (72वीं रैंकिंग), मानव ठक्कर (134वीं रैंकिंग) और सानिल शेट्टी (247वीं रैंकिंग) शामिल हैं। चीन की मजबूत टीम इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रही है जिससे पुरूष टीम स्पर्धा में पदक की उम्मीद है। एकल और युगल प्रतियोगिता भी इसमें आयोजित की जाएगी। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने स्पष्ट किया था कि जो खिलाड़ी शिविर का हिस्सा नहीं बनेगा, उसके नाम पर चयन के लिये विचार नहीं किया जाएगा। टीम का चयन बुधवार को किया गया और इसे टीटीएफआई की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया गया। तोक्यो ओलंपिक के बाद महासंघ ने शिविर में उपस्थिति अनिवार्य कर दी थी। मनिका ने महासंघ को सूचित किया था कि वह पुणे में अपने निजी कोच के साथ ट्रेनिंग जारी रखना चाहेंगी। खेल रत्न पुरस्कार हासिल कर चुकी मनिका ने राष्ट्रीय कोच सौम्यदीप रॉय पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए थे कि उन्होंने ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान उनसे अपने मैच को गंवाने को कहा था। टीटीएफआई ने आरोपों की जांच के लिए जांच पैनल गठित किया है। साथियान, हरमीत देसाई और सुतिर्था विभिन्न कारणों से राष्ट्रीय शिविर से देर से जुड़े थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं। डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं

कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है ।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है ।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है ।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पावन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस साल 634,000 से अधिक अफगान विस्थापित: संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

काबुल। युद्धग्रस्त राष्ट्र में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने गुरुवार को कहा कि 2021 में संघर्षों के कारण 634,000 से अधिक अफगान आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। समाचार एजेंसी ने ओसीएचए के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा कि 12 सितंबर, 2021 तक कुल 634,800 लोगों को संघर्षों से विस्थापित होने की पुष्टि की गई थी, जिनमें से 282,246 विस्थापित लोगों को सहायता मिली थी। यह रिपोर्ट तब आई है, अगस्त के मध्य में तालिबान के देश पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति स्थिर बनी हुई है। अफगान अधिकारियों और मानवीय एजेंसियों ने देश में विस्थापित परिवारों की जीवन स्थिति पर चिंता व्यक्त की है क्योंकि इससे महिलाओं और बच्चों के जीवन पर असर पड़ा है क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य सुविधाओं और स्कूली शिक्षा तक पहुंच नहीं है। ओसीएचए द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल से पूरे अफगानिस्तान में प्राकृतिक आपदाओं से 28,000 से अधिक अफगान प्रभावित हुए हैं। सोमवार को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अफगानिस्तान में पूरी तरह से आर्थिक पतन की संभावना गंभीर है और जिनेवा में अफगानिस्तान की मानवीय स्थिति पर एक उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक में धन सहायता की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

श्रीलंका के 16वें सेंट्रल बैंक के गवर्नर के रूप में अजित निवार्ड ने किया पदभार ग्रहण

कोलंबो। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका(सीबीएसएल) के 16वें गवर्नर अजित निवार्ड कैबराल ने पदभार ग्रहण किया है। देश के मौद्रिक कानून अधिनियम के अनुसार, कैबराल जो पहले राज्य के धन और पूंजी बाजार और राज्य उद्यम सुधार मंत्री के रूप में कार्य करते थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एक प्रारंभिक बयान में कैबराल ने जनता को आश्वासन दिया कि वह अर्थव्यवस्था को स्थिरता की ओर ले जाएगा। कैबराल ने कहा, मेरी नजर में सेंट्रल बैंक की पहली प्राथमिकता श्रीलंका के मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल्स के वांछित रास्ते में आंदोलन के संबंध में स्पष्टता प्रदान करना और वित्तीय क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि सीबीएसएल जल्द ही सभी हितधारकों द्वारा पालन किए जाने वाले एक अल्पकालिक रोड मैप की घोषणा करेगा। कैबराल सीबीएसएल के मौद्रिक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेंगे। उन्होंने पहले जुलाई 2006 से जनवरी 2015 तक सीबीएसएल के 12वें गवर्नर के रूप में कार्य किया। निवर्तमान सीबीएसएल गवर्नर डब्ल्यू.डी. लक्ष्मण ने 10 सितंबर को अपने इस्तीफे की घोषणा की है।

फ्रांस की सेना की बड़ी उपलब्धि, आईएसआईएस सरगना अबू अल-वालिद-अल-सहारवी का किया खात्मा

नई दिल्ली। फ्रांस की सेना ने एक बड़ी उपलब्धी हासिल करते हुए सहारा में इस्लामिक स्टेट का सरगना अबू अल-वालिद-अल-सहारवी को मार गिराया है। बता दें कि इसकी जानकारी खुद फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने दी है। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर घोषणा करते हुए बताया कि, ग्रेटर सहारा में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट के नेता अदनान अबू वालिद अल सहराउई को फ्रांसीसी सेना ने निष्प्रभावी कर दिया है। साहेल में आतंकवादी समूहों के खिलाफ हमारी लड़ाई में यह एक और बड़ी सफलता है। उन्होंने आगे लिखा कि,राष्ट्र आज उन सभी शहीदों के बारे में सोच रहा है जो फ्रांस के लिए सर्वल और बरखाने ऑपरेशन में शहीद हुए, उनका बलिदान व्यर्थ नहीं है। अपने अफ्रीकी, यूरोपीय और अमेरिकी भागीदारों के साथ हम इस लड़ाई को जारी रखेंगे।

डेनमार्क ने कोविड के लिए आकस्मिक रणनीति की घोषणा की

कोपेनहेगन। डेनमार्क सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कोविड-19 की स्थिति के लिए आकस्मिक रणनीति की घोषणा की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डेनमार्क ने कोविड -19 को सामाजिक रूप से गंभीर बीमारी से आम तौर पर खतरनाक बीमारी में रेस्ट्रिक्शन और लगभग सभी प्रतिबंध 10 सितंबर को हटा दिए गए थे।

इसके अलावा, विशेषज्ञ समूह ने सिफारिश कि कोविड -19 के खिलाफ दीर्घकालिक रणनीति को जितना संभव हो उतने राष्ट्रीय बंद से बचने के लिए महामारी नियंत्रण, अर्थव्यवस्था, भलाई और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है, नए और संभावित रूप से अधिक चिंताजनक वायरस वेरिएंट सामने आ सकते हैं, साथ ही यह तथ्य भी है कि कोविड -19 अन्य श्वसन संक्रमणों के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक चुनौती बन सकता है, खासकर आने वाली सर्दियों में। निर्यात समूह ने कहा कि डेल्टा संस्करण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में हमें डेनमार्क में कोरोनावायरस के साथ रहना होगा। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में वायरोलॉजी के प्रोफेसर, समूह के सदस्य एस्ट्रिड इवर्सन ने कहा, चिंता करने के कारण थे डेनमार्क के बाहर सबसे अधिक संभावना है, नए वैरिएंट उत्पन्न हो सकते हैं, इसलिए हमें आगे और पांचवीं लहर दोनों के लिए तैयार रहना चाहिए। पिछले 24 घंटों में, स्टेटन्स सीरम इंस्टीट्यूट (एसएसआई) ने 370 नए कोविड -19 संक्रमण और तीन मौतें दर्ज कीं, जिससे राष्ट्रीय कुल 353,431 मामले और 2,617 मौतें हुई।

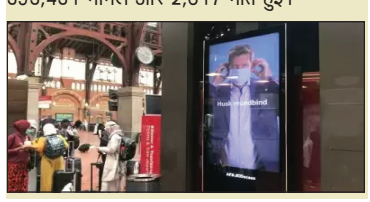

मौत की अफवाहों के बाद अफगानिस्तान के डिप्टी पीएम मुल्ला बरादर ने जारी किया वीडियो

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तालिबान के अफगानिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने अपने ठिकाने को लेकर भारी दबाव और सवालों के बीच अब एक वीडियो संदेश जारी किया है।

एआरवाई न्यूज ने बताया बरादर ने वीडियो में कहा, मेरे स्वास्थ्य और मृत्यु के बारे में मीडिया में खबरें आई थीं। पिछली कुछ रातों से मैं यात्राओं पर गया हूं। इस समय मैं जहां भी हूं, हम सब ठीक हैं, मेरे सभी भाई और दोस्तों। मीडिया हमेशा नकली प्रचार प्रकाशित करता है। इसलिए, उन सभी झूठों को बहादुरी से खारिज करें और मैं आपको 100 प्रतिशत पुष्टि करता हूं कि तालिबान के रैंक में कोई समस्या नहीं है और हमें कोई समस्या नहीं है। कतर के विदेश मंत्री की हाल की यात्रा पर, जहां वह अनुपस्थित थे। बरादर ने कहा कि वह यात्रा पर आए कतर के गणमान्य व्यक्ति से मिलने में असमर्थ थे, क्योंकि वह यात्रा पर थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कतर के विदेश मंत्री के अचानक अफगानिस्तान दौरे की सूचना मिली। डेली मेल ने पहले बताया कि बरादर के भाग्य के बारे में अटकलें तेज हो गईं, जब तालिबान नेताओं ने रविवार को काबुल में कतर के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की, जिसमें वह स्पष्ट रूप से अनुपस्थित थे। सोमवार को, तालिबान को इस बात से इनकार करने के लिए मजबूर किया गया था कि बरादर के मारे जाने की अफवाहें सामने आने के बाद कि वह अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ गोलीबारी के दौरान मारा गया था। तालिबान ने जोर देकर कहा कि बरादार कंधार प्रांत में समूह के सर्वोच्च नेता मावलवी हिबतुल्ला अखुंदजादा के साथ देश के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बैठक कर रहे हैं, अब अमेरिका वापस ले लिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है, लेकिन सोशल मीडिया अफवाहों का मानना है कि वह वास्तव में काबुल के राष्ट्रपति महल में एक बंदूक की लड़ाई में मारा गया था, जो शक्तिशाली और क्रूर हक्कानी परिवार के साथ एक बैठक के दौरान छिड़ गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हक्कानी परिवार के तीन सदस्य कतर के प्रतिनिधियों के साथ नई अफगान सरकार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोहम्मद हसन अखुंद के नेतृत्व में शिखर सम्मेलन में थे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में समूह की नई सरकार के गठन को लेकर तालिबान के नेताओं के बीच एक बड़ा विवाद छिड़ गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बरादर और एक कैबिनेट सदस्य के बीच राष्ट्रपति भवन में बहस हुई। हाल के दिनों में बरादर के गायब होने के बाद से तालिबान के नेतृत्व में असहमति की अपुष्ट खबरें आई हैं। तालिबान के एक सूत्र ने बीबीसी पश्तो को बताया कि बरादर और खलील उर-रहमान हक्कानी, शरणार्थियों के मंत्री और आतंकवादी हक्कानी नेटवर्क के भीतर एक प्रमुख व्यक्ति ने कड़े शब्दों का आदान-प्रदान किया था, क्योंकि उनके अनुयायी एक-दूसरे के साथ विवाद कर रहे थे। तालिबान के सूत्रों ने बीबीसी को बताया कि बरादर ने काबुल छोड़ दिया था और विवाद के बाद कंधार शहर की यात्रा की थी।

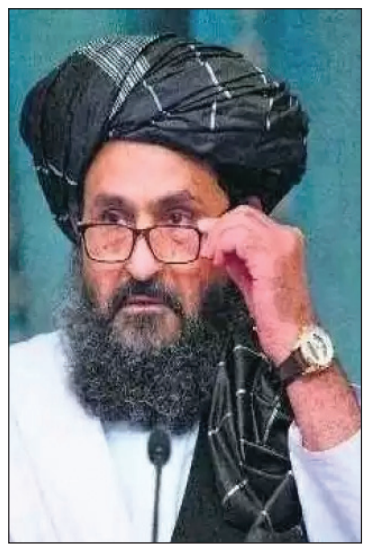

किम जोंग की बहन का भड़काऊ बयान, दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को खत्म करने की दी चेतावनी

सोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की आलोचना की और द्विपक्षीय संबंधों को 'पूर्णतः खत्म' करने की धमकी दी। दोनों ही देशों ने बुधवार को कुछ घंटे के भीतर बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। यह घटनाक्रम प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ने को रेखांकित करता है। किम की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन द्वारा मिसाइल परीक्षण के अवलोकन के दौरान की गई टिप्पणियों की निंदा की। मून ने कहा था कि दक्षिण कोरिया की बढ़ती मिसाइल क्षमताएं उत्तर कोरिया के उकसावे के खिलाफ 'निश्चित तौर पर प्रतिरोधक का' काम करेगी।

दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं ने उत्तर कोरिया द्वारा समुद्र में दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण करने की पुष्टि की। इस घटनाक्रम के कुछ घंटे बाद दक्षिण कोरिया ने मिसाइल परीक्षण किया। किम की बहन ने कहा कि उत्तर कोरिया बिना किसी खास देश को निशाना बनाए आत्मरक्षा के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं का विस्तार कर रहा है और दक्षिण कोरिया भी अपनी सैन्य क्षमता का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा, '' अगर राष्ट्रपति हमारे खिलाफ झूठी निंदा में शामिल होते हैं तो इसके बाद जवाबी कार्रवाई होगी और उत्तर-दक्षिण के संबंध पूरी तरह से खत्म होने की कगार पर पहुंच जाएंगे।

ब्रिटेन ने चीनी राजदूत पर लगाया प्रतिबंध तो भड़का चीन, फैसले को बताया कायराना कदम

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन ने चीनी राजदूत पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके बाद विवाद गर्मा गया। चीन ने ब्रिटेन के इस कदम की तीखी निंदा की। दरअसल, चीन के राजदूत झेंग जेगुआंग को हालही में सर्वदलीय संसदीय समूह (एपीपीजी) द्वारा आयोजित एक बैठक में हिस्सा लेना था लेकिन उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

चीन ने क्या कुछ कहा ?

चीन ने इस कदम को अपमानजनक करार दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन स्थित चीनी दूतावास ने इस कदम को अपमानजनक करार दिया और कहा कि इससे दोनों देशों के हित प्रभावित होंगे।

चीन के शिनजियांग में उइगर अल्पसंख्यकों के खिलाफ मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन पर टिप्पणी करने को लेकर सात ब्रिटिश सांसदों को प्रतिबंधित कर दिया गया था और उनकी संपत्ति पर भी जब्त कर ली गई थी। चीन ने यह कार्रवाई की थी। इसी वजह से ब्रिटेन ने चीनी राजदूत को बोलने से रोक दिया। इस कार्यक्रम में ब्रिटिश दलों के कई सासंद शामिल थे।

आपको बता दें कि ब्रिटिश सांसदों ने अपने पत्र में दलील दी कि चीनी सरकार ने अब तक प्रतिबंधों को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया है जो लोगों का अपराधीकरण करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी आजादी को सीमित करने का एक औजार है।

उन्होंने कहा कि वास्तव में चीनी सरकार ने प्रतिबंधों को कानूनी बल देने के लिए कदम उठाए हैं। यह समझा जाता है कि चीनी राजदूत पर प्रतिबंध स्थाई नहीं है। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के अध्यक्ष जॉन मैकफॉल ने इस फैसले का समर्थन किया है।

और गरीब हो जाएगा पाकिस्तान, इमरान खान के पूर्व सहयोगी ने दिया बड़ा संकेत

नॉर्विच (ब्रिटेन)। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के पूर्व सहयोगी और अनुभवी नौकरशाह वकार मसूद खान ने कहा कि पाकिस्तान को अर्थव्यवस्था पर चालू वित्त वर्ष के दौरान दबाव बढ़ जाएगा और 2021-22 में उसे 12 -17 अरब डॉलर के चालू खाते के घाटे का सामना करना पड़ सकता है। समाचार पत्र डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार खान ने बुधवार को कराची स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (आईबीए) में एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि पाकिस्तान के भुगतान संकट के गंभीर होने की आशंका है।

रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया, ''पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के दौरान भुगतान संतुलन के बढ़ते संकट के कारण दबाव में रहेगी। देश को 2021-22 के लिए 12 अरब अमेरिकी डॉलर से 17 अरब अमेरिकी डॉलर के चालू खाते के घाटे का सामना करना पड़ सकता है।'' खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम के फिर से लागू होते ही देश को ब्याज दर, विनिमय दर, कराधान और ऊर्जा नीतियों में बड़े बदलाव की उम्मीद करनी चाहिए। खान ने हाल ही में

प्रधानमंत्री के विशेष सहायक (राजस्व और वित्त) का पद छोड़ा है। उन्होंने 2013 से 2017 तक संघीय वित्त सचिव के रूप में कार्य किया।

हांगकांग की जेल में चॉकलेट रखना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा!

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन ने साल 2019 में हांगकांग में महीनों चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद संशोधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया है। इस कानून के लागू होने के बाद से ही वहां की आम जनता ने कानून को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन भी किए। आपको बता दें कि इस कानून के तहत 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।इस कानून के आने के बाद से कई लोगों को जेल में भी बंद किया गया है। इसी बीच हांगकांग की जेल के अधिकारियों ने कार्रवाई तेज करते हुए जेल से कई चीजें इकट्ठा की है। जेल के अधिकारियों के मुताबिक, यह चीजें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

कानून के तहत हांगकांग के लोगों का सामूहिक विरोध प्रदर्शन करना, अनौपचारिक चुनाव कराना, नारे लगाना

और चॉकलेट को अपने पास रखना गैरकानूनी होगा। आपको सुनने में थोड़ा अजीब लगे लेकिन जेल में बंद कई लोगों के चॉकलेट को अपने पास रखना गैरकानूनी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। शहर के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी, क्रिस टैंग के मुताबिक, हांगकांग की जेलों में कुछ लोग चॉकलेट और हेयर क्लिप जमा कर रहे है। अधिकारियों के मुताबिक, चॉकलेट और हेयर क्लिप को जमा कराना एक शक्ति और अनुयायियों को कम करने का सरकार के खिलाफ एक संभावित लक्ष्य है। जेल में बंद लोगों के पास बस कुछ और बाल क्लिप हैं,चॉकलेट का एक और टुकड़ा है, तो सवाल है कि इससे क्या समस्या है? बता दें कि, लोग जेल में अपना प्रभाव महसूस कराना चाहते है और हांगकांग और केंद्र सरकारों के लिए और भी अधिक नफरत महसूस कर सकते हैं। साथ ही इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंच रहा है।

गौरतलब है कि, बीजिंग ने जुलाई 2020 में एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया जिसमें 120 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।बता दें कि 2019 के सामूहिक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में हजारों और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जेल में बंद प्रदर्शनकारियों पर दबाव को काफी करीब से देखा जा रहा है ताकि यह अंदाजा लगाया जा सके कि भविष्य में ऐसे ही मामलों से कैसे फैसले सुनाए जाएंगे।

चीन में 6.0 तीव्रता का भूकंप, तीन लोगों की मौत, 60 घायल

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत में बृहस्पतिवार को 6.0 तीव्रता का भूकंप आया जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और 60 अन्य घायल हो गए। सिचुआन के भूकंप राहत मुख्यालयों ने, चीन के चार स्तरीय भूकंप आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली में दूसरी नंबर की (लेबल-2) प्रतिक्रिया दी है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह चार बजकर 33 मिनट पर लक्सियन काउंटी में आया और उसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि भूकंप में तीन लोगों की मौत हो गयी और 60 अन्य घायल हो गए।

घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया ,जहां तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि भूकंप के बाद 6,900 से अधिक प्रभावित लोगों को अन्य स्थानों पर पहुंचाया गया है और 10,000 से अधिक लोगों को अस्थायी शिविरों में भेजा गया है। भूकंप इतना तेज था कि इससे 730 से अधिक मकान गिर गए और 7,290 क्षतिग्रस्त हो गए। भूकंप प्रशासन ने आपदा राहत कार्य के लिए एक दल भेजा है। आस-पास की अग्निशमन और बचाव ब्रिगेड के कुल 890 कमांडर राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं, जबकि 4,600

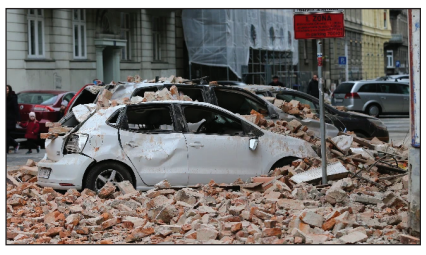

बचावकर्मियों को तैयार रहने के लिए कहा गया है। शिन्हुआ की खबर में कहा गया है कि भूकंप से प्रभावित जियामिंग शहर में ढहे मकानों और दीवारों का मलबा बिखरा है।

शहर के अधिकांश घरों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। फूजी में भारी बारिश के बीच, बचावकर्मी घर-घर जा रहे थे और क्षतिग्रस्त घरों में लोगों की तलाश कर रहे हैं और उन्हें अस्थायी शिविरों में ले जा रहे हैं। भूकंप से कुछ दूरसंचार स्टेशन और केबल क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि लुझोउ उच्च गति रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया है। सभी कोयला खदानों को भूमिगत कार्यों को रोकने और खनिकों को खदानों से निकालने का आदेश दिया गया है। सिचुआन भूकंप प्रशासन के उप प्रमुख झांग झिवेई ने कहा कि भूकंप हुआयिंग पर्वत क्षेत्र के आसपास आया। सिचुआन प्रांत में 2008 में आठ तीव्रता के भूकंप में हजारों लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

यूएस, यूके, ऑस्ट्रेलिया ने नई सुरक्षा साझेदारी की घोषणा की

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने एक नई त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी बनाने की घोषणा की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन और ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने एक आभासी कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की।

एक संयुक्त बयान में, तीनों सरकारों ने कहा कि ऑकस नामक साझेदारी सुरक्षा और रक्षा क्षमताओं की एक श्रृंखला पर सहयोग को गहरा करने में मदद करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, औकुस के तहत पहली पहल ऑस्ट्रेलिया के लिए एक परमाणु-संचालित पनडुब्बी बेड़े की आपूर्ति होगी। और तीनों देश 18 महीने तक इस बात पर चर्चा करेंगे कि इस क्षमता को कैसे वितरित किया जाएगा। मॉरिसन ने अपनी टिप्पणी में कहा कि ऑस्ट्रेलिया ब्रिटेन और अमेरिका के सहयोग से देश के दक्षिण में एक तटीय शहर एडिलेड में पनडुब्बियों का निर्माण करना चाहता है।

बिडेन और जॉनसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जिन परमाणु-शक्ति वाली पनडुब्बियों का अधिग्रहण करना चाहता है, वे पारंपरिक रूप से सशस्त्र हैं, यह देखते हुए कि उनके देश भी अपने अप्रसार दायित्वों के अनुरूप होंगे। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि किसी एक देश के बारे में नहीं है, यह दावा करते हुए कि यह हमारे रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने और इंडो-पैसिफिक में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

सार समाचार

राष्ट्रपति कोविंद चार दिवसीय दौरे पर शिमला पहुंचे

शिमला। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद गुरुवार को चार दिवसीय दौरे पर हिमाचल प्रदेश की राजधानी पहुंचे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वह शुक्रवार को राज्य के स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगे। काउंसिल चैंबर, जिसमें राज्य विधान सभा है, का उद्घाटन भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड रीडिंग ने 27 अगस्त, 1925 को किया था। अन्नाडेल हेलीपैड पर राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश भारद्वाज ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति 16 से 19 सितंबर तक राज्य का दौरा कर रहे हैं। वह 18 सितंबर को राष्ट्रीय लेखा परीक्षा और लेखा अकादमी, शिमला में 2018 और 2019 बैच के भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं के समापन समारोह में भी शामिल होंगे।

इंडियन कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी बोट को पकड़ा, 12 संदिग्ध लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय सीमा पर एक पाकिस्तानी बोट पकड़ी गई है। बता दें कि इंडियन कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी बोट पर सवार 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और सभी से अब पूछताछ की जा रही है। एक खबर के मुताबिक, यह बोट गुजरात सीमा के तट के पास देखी गई है। घुसपैठियों पर नजर रखने वाली भारतीय तटरक्षक जहाज राजरतन द्वारा चलाए गए सर्विलांस मिशन के दौरान इस बोट को पकड़ा गया है। इस पाकिस्तानी बोट का नाम अल्लाह पवाकल है। जहाज को कब्जे में लेने के बाद भारतीय जवान बोट में सवार 12 लोगों से पूछताछ कर रही है। भारतीय तटरक्षक बल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि, इस पाकिस्तानी जहाज का 14 सिंतबर की रात पता लगाया गया है। गौरतलब है कि, दिल्ली में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रच रहे 6 आतंकियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि सभी आतंकियों को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए फ्लिपकार्ट, भारतीय नौसेना प्लेसमेंट एजेंसी में समझौता

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्लेसमेंट एजेंसी (आईएनपीए) ने भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त कर्मियों की भर्ती के लिए ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट के साथ एक समझौता किया है। भारतीय नौसेना ने बुधवार को एक बयान में कहा, ''इस समझौते के जरिये आईएनपीए, फ्लिपकार्ट के भर्ती मानकों के अनुसार प्रासंगिक पदों के लिए पूर्व सैनिकों के एक समूह की पहचान करेगा।'' इसके बदले फ्लिपकार्ट इन व्यक्तियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कॉरपोरेट क्षेत्र के लिए सक्षम करेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को उनकी सेवा अवधि के दौरान प्राप्त योग्यता, अनुभव और विशेषताओं के अनुरूप अवसर प्रदान करना है।

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य अर्पिता घोष ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद अर्पिता घोष ने राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है और सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसे स्वीकार कर लिया है। यह जानकारी राज्यसभा सचिवालय से बुधवार को जारी अधिसूचना में दी गयी। घोष के इस्तीफा से उनके पार्टी के ही अन्य सदस्य चकित हैं। अधिसूचना में कहा,'' राज्यों की परिषद (राज्यसभा) की निर्वाचित सदस्य श्रीमती अर्पिता घोष, जो पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व करती हैं, ने राज्यसभा की अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया है और उनका इस्तीफा 15 सितंबर 2021 को सभापति ने स्वीकार कर लिया है।'' घोष हाल में संपन्न मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में हुए हंगामे के कारण निलंबित सदस्यों में शामिल थीं। इस हंगामे के दौरान सांसद और मार्शल कथित तौर पर घायल हुए थे। सूत्रों ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा था। उन्होंने कहा कि पार्टी उनके कामकाज से प्रसन्न नहीं थी और उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा था। घोष को मार्च, 2020 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था। उससे पहले वह 2019 में बुलारघाट से लोकसभा चुनाव हार गयी थीं।

आतंकवादी मॉड्यूल के चार सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद पंजाब में हाई अलर्ट जारी

नई दिल्ली। आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल के चार और सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद पंजाब में बुधवार को हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। यह मॉड्यूल पिछले महीने राज्य के अमृतसर जिले में आईईडी विस्फोट में संलिप्त था।
इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी है।सरकार की तरफ से यहां जारी बयान के मुताबिक, पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने राज्य में हाई अलर्ट जारी करने का आदेश दिया है। पुलिस ने कहा कि राज्य में पिछले 40 दिनों में पाकिस्तानी आतंकवादी मॉड्यूल के भंडाफोड़ का यह चौथा मामला है। पुलिस महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि पाकिस्तान के आतंकवादी ओर पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी 'कासिम' की पहचान की गई है और अमृतसर में विस्फोट के मामले में उसका नाम दर्ज है। वे ही मॉड्यूल में शामिल हैं।
उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के प्रमुख लखबीर सिंह रोडे और लखबीर सिंह का भी आतंकवादी मॉड्यूल में हाथ है। दोनों पंजाब के मोगा जिले के रोडे के निवासी हैं और फिलहाल पाकिस्तान में रहते हैं।पुलिस ने बताया कि मंगलवार को जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है उनकी पहचान रूबल सिंह, विक्की भुट्टी, मलकीत सिंह और गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। इससे पहले 20 अगस्त को कपूरथला पुलिस ने उनके एक सहयोगी गुरमुख सिंह को गिरफ्तार किया था।

विपक्षी दलों का नया मंत्र राम ही करेंगे बेड़ा पार

लखनऊ (एजेंसी)।

विधानसभा चुनाव की सुबुगाहट के साथ ही यूपी मे सभी राजनीतिक दल राम परिक्रमा में लग गए हैं। इसमें खास बात यह है कि कभी राममंदिर निर्माण को लेकर भाजपा पर हमला करने वाले दल भी अयोध्या से अपने चुनावी अभियान की शुरूआत कर रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों में कई प्रमुख दलों के नेताओं ने अयोध्या जाकर अपनी चुनावी गतिविधियों की शुरूआत की है। इससे राजनीतिक पंडितों ने अनुमान लगाया है कि यूपी का होने वाला विधानसभा चुनाव हिन्दू वोटों को अपने पाले में लाने की कवायद देखी जा रही है। भाजपा तो भगवान राम को लेकर पहले से ही चर्चा में रही है कि वह राम के नाम को लेकर चुनाव मैदान में उतरती है, लेकिन आने वाले इस विधानसभा चुनाव में लगभग सभी राजनीतिक पार्टियां अयोध्या पहुंच रही हैं।

मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ दर्जनों बार अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और कई विकास कार्यों की योजनाओं की घोषणा भी की है। इसके अलावा वह इसके लिए समय-समय पर आगे का रोडमैप पर चर्चा भी करते रहते हैं। मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या पहुंचे थे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अयोध्या जाना भी सुर्खियों में रहा। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बसपा के सतीश चन्द्र मिश्रा ने रामलला मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रबुद्ध सम्मेलन की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि भगवान राम तो सबके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आने पर यहां का और तेज विकास होगा। समाजवादी पार्टी ने भी विधानसभा चुनाव के लिए अयोध्या को लॉन्चिंग पैड के तौर पर इस्तेमाल किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने 3 सितंबर को अयोध्या में आयोजित खेत बचाओ, रोजगार बचाओ अभियान में हिस्सा लिया।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस और सपा ने भी सियासी गतिविधियां तेजी से पकड़ी है। हांलांकि इन दलों के बड़े नेता अभी दरबार में हाजिरी लगाने नहीं पहुंचे। राजनीतिक विष्लेषकों की नजर इन पर लगी हुई है।जनसत्ता लोकतांत्रिक दल की अगुवाई कर रहे बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने बीते 31 अगस्त को अयोध्या से ही यूपी के अपने चुनावी अभियान की शुरूआत करते हुए पार्टी कार्यकताओं से बातचीत की। हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भी अयोध्या के धन्नीपुर क्षेत्र को अपनी चुनावी अभियान की शुरूआत की है।

भाजपा प्रवक्ता अवनीष त्यागी का कहना है, भाजपा ने तुष्टीकरण की राजनीति का अंत कर दिया है। जो विपक्षी दल तुष्टिकरण की राजनीति करके वोट के लिए समाज में विद्वेष फैला रहे थे, उनकी आंखे खोल दी है। भाजपा एक सही राह पर थी। अब विपक्षी दलों को सद्बुद्धि आ रही है। अब उन्हें मंदिर नजर आने लगा। भारतीय संस्कृतिक और मानवीय मूल्यों की अनदेखी कर रहे थे। उन्हें अब बुद्धि आने लगी है। राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि

लाल का कहना है, बिना किसी अड़चन के राममंदिर बनता दिख रहा है। अगले कुछ सालों में आकार ले लेगी। यह हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक होगा इसे इग्नोर करना काफी मुष्किल है। सभी पार्टियों ने अहसास किया है कि साल 2014, 2017, 2019 के चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की है उसे हिन्दुओं की वजह से मिली है। हिन्दुओं को सर्पोट लेने के लिए उनकी आस्था के प्रतीक को अपनाना होगा। इसी कारण से सभी दल अयोध्या पहुंच रहे है। अगर अयोध्या मे राममंदिर बनने में कोई कानून पेंच या अन्य अड़चन होती तो सिवाय भाजपा के इससे हर दल दूरी बना लेते।

एमपी में दर्ज होगी राहुल गांधी पर एफआईआर , कांग्रेस विधायक ने कहा - धर्म की राजनीति से बीजेपी का है पुराना साथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी एफआईआर दर्ज कराने जा रही है। विधायक रामेश्वर शर्मा के बाद प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही की बात कही है। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी इच्छा धारी हिन्दू हैं। सुविधा से टोपी टीका लगाते हैं और धार्मिक पर्यटन पर जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक मैं मानता था कि उनमें बाल पन है। लेकिन संघ के बारे में जब उन्होंने कहा जब पीड़ा हुई। संघ को ये क्या समझ पाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि कानून विशेषज्ञों से राय लूंगा कि इस पर क्या कार्यवाही की जा सकती है? इससे पहले बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी ने हिंदुओं का अपमान किया है। कांग्रेस कट्टमुल्लों के हाथों देश बेच देना चाहती थी। फ़िरोज़ खान के पोते, ऐंटिनो माईनो के बेटे क्या जानें हिंदू धर्म।

हम कानून के शासन का पालन कर रहे लोकतांत्रिक देश में हैं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि सरकार के पर अधिकरण में रिक्त पदों को भरने के लिए चयन समिति की अनुशंसा को स्वीकार न करने की शक्ति है।

इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए न्यायालय ने कहा, 'हम एक लोकतांत्रिक देश में कानून के शासन का पालन कर रहे हैं।' प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने कहा, 'हम संविधान के तहत काम कर रहे हैं। आप ऐसा नहीं कह सकते।'

खंडपीठ ने कहा कि केंद्र द्वारा कुछ न्यायाधिकरणों में की गई नियुक्तियां उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुशंसित सूची से 'पसंदीदा लोगों के चयन'' का संकेत देती हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव भी पीठ के सदस्य हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने कोविड-19 के दौरान नामों का चयन करने के लिए व्यापक प्रक्रिया का पालन किया और सभी प्रयास व्यर्थ जा रहे हैं। न्यायमूर्ति रमण ने रोष व्यक्त करते हुए कहा, 'हमने देशभर की यात्रा की। हमने इसमें बहुत समय दिया। कोविड-19 के दौरान आपकी सरकार ने हमसे जल्द से जल्द साक्षात्कार लेने का अनुरोध किया। हमने समय व्यर्थ नहीं किया।'

पीठ ने कहा, ''यदि सरकार को ही अंतिम फैसला करना है, तो प्रक्रिया की शुचिता क्या है? चयन समिति नामों को चुनने की लिए एक विस्तृत प्रक्रिया का पालन

करती है।' विभिन्न प्रमुख न्यायाधिकरणों और अपीली न्यायाधिकरणों में लगभग 250 पद रिक्त हैं। वेणुगोपाल ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम की धारा 3 (7) का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि तलाश-सह-चयन समिति अध्यक्ष या सदस्य, जैसा भी मामला हो, के पद पर नियुक्ति के लिए दो नामों की सिफारिश करेगी और केंद्र सरकार अधिमानतः ऐसी सिफारिश की तारीख से तीन महीने के भीतर इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि प्रावधान के तीन भाग हैं - यह दो नामों की एक समिति के लिए प्रदान करता है, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है, फिर यह कहता है कि सरकार 'तीन महीने के भीतर' सिफारिशों पर फैसला करेगी, जिसे रद्द कर दिया गया है; लेकिन यह कि केंद्र सरकार समिति द्वारा की गई सिफारिश पर निर्णय लेगी, उसे रद्द नहीं किया गया है। उनकी दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए, न्यायमूर्ति नागेश्वर राव ने कहा, 'एक पद के लिए, दो नाम नहीं हो सकते हैं, लेकिन केवल एक नाम की सिफारिश की जानी चाहिए! और 'अधिमानतः तीन सप्ताह के भीतर' को भी हटा दिया गया है।

उन्होंने कहा, 'आपको तीन महीने के भीतर नियुक्ति करनी होगी। लेकिन चयन किए जाने और सिफारिशें किए जाने के बाद भी, आप उन्हें नियुक्त नहीं करते हैं, और प्रतीक्षा सूची से लोगों को चुनते हैं, तो जिसे भविष्य में इस्तेमाल करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। भविष्य।' वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार के पास सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने की शक्ति है और इस बारे में उच्च न्यायालयों और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के संबंध में कॉलेजियम प्रणाली का हवाला दिया।

कन्हैया कुमार जल्द ही थामेंगे कांग्रेस का हाथ, राहुल गांधी से कर चुके हैं मुलाकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र नेता कन्हैया कुमार जल्दी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इस संदर्भ में उनकी मुलाकात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से भी हो चुकी है। हालांकि कांग्रेस सूत्रों ने दावा किया है कि कन्हैया कुमार को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान ही पार्टी में आने का ऑफर दिया गया था लेकिन तब बात नहीं बन पाई थी। अब हाल में ही कन्हैया कुमार ने राहुल गांधी से मुलाकात की है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह जल्द ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस के पास कन्हैया कुमार के लिए अलग प्लान है जिस पर अमल किया जाएगा। आपको बता दें कि बिहार में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का चयन किया जाना है। इस ऐलान के बाद कन्हैया कुमार के कांग्रेस में एंट्री हो सकती है। गौरतलब है कि कन्हैया कुमार अपनी पार्टी भाकपा से नाराज बताए जा रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान यह नाराजगी सामने आई थी जब कन्हैया कुमार ने चुनाव प्रचार

से भी इंकार कर दिया था। इसके अलावा पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान भी कन्हैया कुमार लगातार पार्टी से दूर रहें।

आपको बता दें कि दिल्ली में जेएनयू कैंपस में लगे विवादित नारों की वजह से कन्हैया कुमार चर्चा में आए थे। इसके बाद से वह लगातार राजनीतिक गलियारों का हिस्सा हैं। कन्हैया कुमार को बीजेपी का धुर विरोधी बताया जाता है। कन्हैया कुमार 2019 में बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था जिसमें उन्हें करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। कन्हैया कुमार की रैलियों में अक्सर भीड़ देखी जाती है जिससे कांग्रेस को लगता है कि उन्हें एक बड़ा चेहरा मिल सकता है।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत बोले- रॉकेट फोर्स तैयार करने पर विचार कर रहा भारत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत ने बुधवार को भारत की वायु शक्ति को मजबूत करने के लिए शुरू किये गए उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि देश 'रॉकेट फोर्स' तैयार करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की विभिन्न चुनौतियों और उत्तरी सीमा पर चीन के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की जरूरत को रेखांकित किया। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रावत ने पाकिस्तान को चीन का 'प्रॉक्सी' करार दिया और कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में 'छद्म युद्ध' जारी रखेगा तथा यह पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में भी दिक्कतें पैदा करने की कोशिश कर रहा है।प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने उत्तरी सीमाओं पर चीन के आक्रामक रुख को रेखांकित करते हुए कहा, '' चाहे वह प्रत्यक्ष आक्रामकता हो या तकनीक के जरिए हो, हमें हर स्थिति के लिए तैयार

रहना होगा और यह तैयारी तभी हो सकती है जब हम साथ काम करेंगे।'' भारत की वायु शक्ति को मज़बूत बनाने के कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '' हम रॉकेट फोर्स तैयार करने की तरफ देख रहे हैं।''हालांकि उन्होंने इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। वहीं अफगानिस्तान की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि किसी ने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि तालिबान 'इतनी तेजी' से देश पर कब्जा कर लेगा। उन्होंने कहा कि यह तो समय ही बताएगा कि आगे क्या होगा। इस अवसर पर पूर्व रक्षा सचिव एनएन वोहरा ने चीन के साथ 1962 के युद्ध से संबंधित हेंडरसन ब्रुक्स रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की अनुमति दिए जाने का आह्वान किया।

बंगाल : चुनाव बाद हिंसा मामले में सीबीआई ने ममता बनर्जी के चुनावी एजेंट को तलब किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चुनावी एजेंट शेख सूफियान को हत्या के एक मामले में बृहस्पतिवार को तलब किया। यह मामला कथित तौर पर नंदीग्राम में चुनाव के बाद हुई हिंसा से संबंधित है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने नंदीग्राम से ही विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गयी थीं। अधिकारियों के मुताबिक यह मामला तीन मई को नंदीग्राम में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा देवब्रत मैती पर जानलेवा हमले से संबंधित है। अस्पताल में 10 दिन तक इलाज चलने के बाद मैती ने दम तोड़ दिया था। नंदीग्राम में ममता बनर्जी और उनके प्रतिद्वंद्वी शुभेंदु अधिकारी के बीच कड़ी

चुनावी टक्कर हुई थी। तृणमूल नेता सूफियान, ममता बनर्जी पर हुए कथित हमले में शिकायतकर्ता भी हैं।

इस बीच, जांच एजेंसी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई कथित हिंसा से संबंधित हत्या का एक और मामला दर्ज किया है, जिससे सीबीआई द्वारा अब तक दर्ज किए गए ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। प्राथमिकी के मुताबिक गोबिंद बर्मन नाम के एक व्यक्ति ने कूचबिहार के एक मतदान केंद्र पर कथित रूप से बम फेंकने और गोली चलाने वाले 12 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जहां बर्मन और उनके परिवार के सदस्य 10 अप्रैल को मतदान करने गए थे। बर्मन के मुताबिक एक आरोपी ने उनके भाई को निशाना बनाकर गोली चलाई और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। सीबीआई के प्रवक्ता आर सी जोशी ने कहा, सीबीआई ने कलकत्ता में माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए अब तक कुल 35 मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, ये मामले पहले पश्चिम बंगाल के विभिन्न थानों में दर्ज किए गए थे।

जैसे-जैसे भारत और अधिक लोकतांत्रिक होता जाएगा, लोकतंत्र ज्यादा भारतीय होता जाएगा : जयशंकर

श्रीनगर (एजेंसी)।

सितंबर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा और इसकी क्षमताएं बढ़ेंगी, यह स्वाभाविक रूप से दुनिया के लिए और अधिक योगदान देगा और वैश्विक मंच पर फिर से उभरने वाला एक सभ्यतागत राष्ट्र स्पष्ट रूप से अपनी छाप छोड़ेगा।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार '75 का स्वतंत्र भारतः लोकतांत्रिक परंपराएं' को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि जैसे-जैसे भारत और अधिक लोकतांत्रिक होगा, लोकतंत्र भी अपनी संवेदनशीलता और बनावट दोनों में और अधिक भारतीय बन जाएगा।

जयशंकर ने कहा कि चाहे शौचालय, बिजली और पाइप से पानी मुहैया कराने की बात हो या बैंक खातों के लगभग सार्वभौमिकरण की बात हो, लोकतांत्रिक साधन अब लोकतांत्रिक उद्देश्यों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मतदान की समानता अनिवार्य रूप से मानवीय गरिमा की समानता के साथ सह-अस्तित्व में होनी चाहिए। एक के बिना दूसरा व्यर्थ है। उस ढांचे में देखा गया है, भारत की उपलब्धियां इसकी लोकतांत्रिक साख को मान्यता प्रदान कर रही हैं।'

जयशंकर ने कहा कि देश का बाहरी दृष्टिकोण अनिवार्य रूप से इसके आंतरिक मूल्यों के साथ चलता है और केवल यह उम्मीद की जानी चाहिए कि एक राष्ट्र और उसके नागरिक समान विचारधारा वाले लोगों के साथ सहज होंगे। उन्होंने कहा कि यह समान विचारधारा वाले लोगों को वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

जयशंकर ने कहा, 'यह मानदंडों और नियमों द्वारा शासित एक वैश्विक समानता के लिए, विविधता और बहु-ध्रुवीयता को समायोजित करने वाली राजनीतिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के लिए और व्यापार, बुनियादी ढांचे तथा संपर्क परियोजनाओं के लिए पारदर्शिता, स्थिरता और मेजबान समुदायों में... भारत की इच्छा के संदर्भ की व्याख्या करता है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा और इसकी क्षमता और सामर्थ्य बढ़ेगा, वह स्वाभाविक रूप से दुनिया के लिए और अधिक योगदान देगा। एक सभ्यतागत राष्ट्र जो विश्व मंच पर फिर से उभरता है और अपनी विरासत को आकर्षित करता है, वह स्पष्ट रूप से अपनी छाप बनाएगा।'

मंत्री ने कहा, 'वास्तव में एक लोकतांत्रिक दुनिया में, ऐसा भारत ज्यादा पश्चिम के बजाय अधिक भारत होगा। इसका विकासात्मक खाका और व्यापक जिम्मेदारियों को अपनाना इसके मॉडल की सुस्पष्टता की तरफ और भी अधिक ध्यान आकर्षित करेगा।' उन्होंने जोर देकर कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के एक पूर्ण सदस्य के रूप में, एक ऐसी प्रणाली के रूप में जो पश्चिम के साथ काफी कुछ साझा करती है, और एक विशिष्ट मिजाज वाले व्यवस्थित समाज के रूप में भारत की यात्रा निश्चित रूप से वैश्विक यात्रा को प्रभावित करेगी।

जयशंकर ने कहा कि यह उचित है कि विश्व के सबसे बड़े और सबसे ऊर्जावान लोकतंत्र में अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस विशेष उत्साह के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा,

'आखिरकार, भारत के लिए लोकतंत्र केवल एक विकल्प नहीं था जिसे हमने 1947 में चुना था, बल्कि उससे काफी पहले जीवन जीने का एक तरीका था। कुछ समाज बहुलवाद की तुलना कर सकते हैं जो हमारी ऐतिहासिक विशेषता रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निजी हाथों में खिसक गई सरकारी जमीन, कैसे हुआ ये पूरा खेल जांच शुरू

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में सरकारी जमीन के निजी हाथों में खिसकने का मामला सामने आया है। इंदौर के सिरपुर क्षेत्र में सर्वे नंबर 525 की 443 एक़ड सरकारी जमीन होलकर राजवंश की महारानी उषा राजे होलकर के नाम होने के मामले में अफसरों ने जांच शुरू कर दी है। यह बात किसी को गले नहीं उतर रही कि सरकारी अभिलेखों में दर्ज इतनी बड़ी सरकारी जमीन खिसककर निजी नामों पर कैसे चली गई। इसमें पुराने अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि हम जमीन से जुड़े पुराने दस्तावेज जुटा रहे हैं। इसमें कुछ समय लगेगा। जांच में यह भी देखा जाएगा कि होलकर के बाद यह जमीन और किन-किन लोगों को कैसे बिकी और किस व्यक्ति ने किसको रजिस्ट्री की। पंजीयन विभाग से भी इसकी जानकारी मांगी जाएगी। प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर अभय बेड़कर की अगुआई में एसडीएम, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की टीम जांच में लगी है। एक तरफ प्रशासन मामले की जांच कर रहा है तो दूसरी तरफ इसी जमीन के एक हिस्से पर अब भी अवैध निर्माण हो रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण करने वालों को नोटिस जारी किए जाएंगे और काम रकवाया जाएगा। शहर के सिरपुर तालाब के कैचमेंट एरिया से लगी 443 एक़ड जमीन 1963 तक शासकीय थी, लेकिन इसके बाद वह अचानक होलकर राजवंश की महारानी उषाराजे होलकर के नाम हो गई। इसके बाद यह जमीन बिकती चली गई और आज इस पर विदुर नगर, प्रजापत नगर जैसी अवैध कालोनियां बस गई हैं। बाजार मूल्य के हिसाब से यह जमीन एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की है। अधिकारियों के अनुसार 1925 में मिसल बंदोबस्त से लेकर 1962-63 तक यह जमीन विश्रामबाग फारेस्ट के नाम से शासकीय भूमि के रूप में दर्ज थी।

शंघाई सहयोग संगठन

आज होगा सम्मेलन, पीएम मोदी करेंगे वर्चुअल संबोधन, एस जयशंकर दुशांबे में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 17 सितंबर को होने वाले 21वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। सम्मेलन में शामिल होने विदेश मंत्री एस जयशंकर दुशांबे जाएंगे जबकि पीएम नरेंद्र मोदी वीडियो लिंक के जरिये सम्मेलन को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सम्मेलन में बैठकों में अफगान संकट, इसके आंतरिक और बाहरी असर पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है।

विदेश मंत्रालय ने बताया, एससीओ परिषद के सदस्य देशों के प्रमुखों की 21वीं बैठक हाइब्रिड प्रारूप में दुशांबे में 17 सितंबर को होगी। ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए वीडियो लिंक के जरिए शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। वहीं दुशांबे में भारत का

● विदेश मंत्रालय ने बताया, एससीओ परिषद के सदस्य देशों के प्रमुखों की 21वीं बैठक हाइब्रिड प्रारूप में दुशांबे में 17 सितंबर को होगी। ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

प्रतिनिधित्व करते हुए विदेशमंत्री एस जयशंकर अफगानिस्तान पर होने वाली बैठक में हिस्सा लेंगे। साथ ही वह सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन की बैठक में भी शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान बीते दो दशकों में हुए कामों की समीक्षा होने के आसार हैं। इस दौरान जयशंकर ईरान, ताजिकिस्तान समेत अन्य सदस्य देशों के विदेशमंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

ये होंगे शामिल

एससीओ की शिखर बैठक में सदस्य देशों के नेताओं के अलावा पर्यवेक्षक देश, संगठन के महासचिव, एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक ढांचा के कार्यकारी निदेशक, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति एवं अन्य आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे। चीन के विदेशमंत्री वांग यी, रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव, ईरान के विदेशमंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान और पाकिस्तान के विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी के दुशांबे आने की संभावना है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी बैठकों में हिस्सा लेने दुशांबे पहुंचेंगे।

पहली बार हाइब्रिड प्रारूप

पहली बार एससीओ की शिखर बैठक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की जा रही है और यह चौथी शिखर बैठक है जिसमें भारत एससीओ के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में हिस्सा ले रहा है।

दो दशकों के काम की होगी समीक्षा

एससीओ इस वर्ष अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। ऐसे में यह शिखर सम्मेलन खास होग। इस दौरान नेताओं द्वारा पिछले दो दशकों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करने और भविष्य में सहयोग की संभावना पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। इस दौरान क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है।

देश में सीधी फंडिंग से रोके गए नौ विदेशी एनजीओ, 49 हजार करोड़ से ज्यादा की मिली विदेशी फंडिंग

नई दिल्ली। देश के विभिन्न सेक्टरों में कार्यों के लिए धन मुहैया करवाने वाले नौ विदेशी गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर सरकार ने उचित प्राधिकारियों की मंजूरी के बिना देश में फंड ट्रांसफर करने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि फारेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट, 2010 के प्रविधानों के तहत गृह मंत्रालय ने इन एनजीओ को 'प्रायर रिफरेंस कैटेगरी' में रखा है। इसके तहत इन विदेशी संगठनों से कोई भी फंड प्राप्त होने की स्थिति में बैंकों के लिए अधिकारियों को सूचित करना अनिवार्य है।

इनमें तीन अमेरिकी, दो आस्ट्रेलियाई और चार ब्रिटिश एनजीओ-इन एनजीओ में तीन अमेरिकी, दो आस्ट्रेलियाई और चार ब्रिटिश हैं। ये ज्यादातर पर्यावरण से जुड़े कार्यो के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। कानून के मुताबिक, अगर किसी एनजीओ को 'प्रायर रिफरेंस कैटेगरी' में रखा जाता है तो उनकी ओर से कोई भी धनराशि आने पर बैंकों के लिए गृह मंत्रालय की विदेशी शाखा को सूचित करना अनिवार्य है।

18 हजार से ज्यादा एनजीओ को मिले 49 हजार करोड़-गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2018 से 2020 के बीच देश में 18 हजार से ज्यादा एनजीओ को 49 हजार करोड़ से ज्यादा की

विदेशी फंडिंग प्राप्त हुई। फारेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के मुताबिक, एफसीआरए में पंजीकृत हर एनजीओ के लिए अब विदेशी स्त्रोत से शुरुआती योगदान प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली स्थित एसबीआइ की मुख्य शाखा में एफसीआरए अकाउंट खोलना अनिवार्य है। 31 जुलाई, 2021 तक इस शाखा में कुल 18,377 अकाउंट खोले गए हैं।

40 साल तक कठोर ड्यूटी करने वाले जवानों की सॉफ्ट पोस्टिंग पर मशक्कत

चर्चा के बाद ठंडे बस्ते में मामला

नई दिल्ली। आईटीबीपी, बीएसएफ आदि बलों में कठोर ड्यूटी में रहने वाले जवानों को 40 साल तक की उम्र तक काम करने के बाद डेपुटेशन से जुड़ी पोस्टिंग दिए जाने पर सुरक्षा बलों में मशक्कत जारी है। आंतरिक स्तर पर सहमति बनाने और कई मुद्दों पर सरकार की अनुशंसा का इंतजार किया जा रहा है। कठोर तैनाती वाली जगहों पर एक तय उम्र तक काम करने के बाद आईटीबीपी व बीएसएफ के जवानों को सॉफ्ट पोस्टिंग देने या सीआईएसएफ,एनआईए आदि में डेपुटेशन पर नियुक्त करने का सुझाव आंतरिक बैठकों में आया था। सूत्रों का कहना है कि इसे आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है जिससे लंबे समय तक कठोर ड्यूटी करने वालों को राहत दी जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि

जवानों के कल्याण से जुड़े इन सुझावों पर कई बार आंतरिक चर्चा हुई है। लेकिन अभी इनपर अमल नही हो पाया है।

साल में सौ दिन छुट्टी का इंतजाम हो

सूत्रों ने कहा उच्च स्तर पर यह भी सुझाव सामने आया था कि कठिन ड्यूटी में जीवन बिताने वाले जवानों के लिए साल में सौ दिन छुट्टी का इंतजाम किया जाए। जिससे वे अपने परिवार के साथ समय बिता सकें। सूत्रों ने कहा, उच्च स्तर पर कई सुझावों पर सहमति के बावजूद जवानों की कम संख्या और अतिरिक्त बटालियन की कमी का हवाला देते हुए अंदरूनी स्तर पर इसे आगे नही बढ़ाया जा सका।

घर के पास तैनाती का भी सुझाव

एक ठोस सुझाव ये भी था कि आईटीबीपी, बीएसएफ आदि फोर्स में कठोर ड्यूटी में रहने वाले जवानों को 40 साल तक की उम्र तक काम करने के बाद डेपुटेशन से जुड़ी पोस्टिंग के अलावा घर के पास पोस्टिंग दी जाए। यह सुझाव भी अभी तक अमल में नही आ पाया।

'दूध' की बिरादरी से बाहर हुए आमंड और सोया मिल्क

नई दिल्ली। प्लांट बेस्ड पेय पदार्थों पर यह फैसला अचानक नहीं आया है. लंबे समय से भारतीय डेयरी उद्योग इसके लिए खाद्य नियामक पर दबाव डाल रहा था. वैसे 'असली दूध' को लेकर ऐसी ही कुछ लड़ाइयां यूरोप और अमेरिका में भी चली हैं.भारतीय फूड रेगुलेटर- फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने प्लांट बेस्ड पेय पदार्थों (आमंड मिल्क, सोया मिल्क, वॉलनट मिल्क आदि) की कंपनियों को अपनी प्रचार सामग्री और लेबल से 'दूध' या 'मिल्क' शब्द हटाने को कहा है. ई-कॉमर्स कंपनियों से भी इन प्रोडक्ट्स को उनके दूध और डेयरी सेक्शन से हटाने के लिए कहा गया है. इसका यह मतलब हुआ कि अब एमेजॉन इंडिया, फ्लिपकार्ट, बिगबास्केट और ग्रोफर्स जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डेयरी कैटेगरी में बादाम और सोया दूध जैसे पेय पदार्थ नहीं मिलेंगे. यह फैसला अचानक नहीं आया है, लंबे समय से भारत का डेयरी उद्योग इसके लिए खाद्य नियामक पर दबाव डाल रहा था. वैसे भी यह बहस सिर्फ भारत की न होकर दुनिया के कई देशों की है. यूरोप और अमेरिका में भी ऐसी लड़ाइयां चली हैं. इनमें एक ओर 'वीगन मिल्क' रहे हैं और दूसरी ओर बड़ी डेयरियां. लड़ाई का केंद्र एक ही होता है- 'असल दूध क्या है?' और भारत में फिलहाल यह लड़ाई डेयरी उद्योग ने जीत ली है. असल दूध क्या है हैंडबुक ऑफ फूड केमिस्ट्री के मुताबिक दूध में वसा, प्रोटीन, एंजाइम्स, विटामिन्स और शुगर होते हैं और यह स्तनधारी जीवों में उनके बच्चों के पोषण के लिए पैदा होता है.

न्यायाधिकरणों में मनमर्जी से नियुक्तियां नहीं कर सकती सरकार, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली। न्यायाधिकरणों में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बुधवार को फिर कड़ी फटकार लगाई। सरकार द्वारा की गई हालिया नियुक्तियों पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि चयन समिति की सिफारिश में से नाम चुनने में सरकार ने मनमर्जी की। चीफ जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एल नागेश्वर राव की पीठ ने सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता वाली चयन समितियों द्वारा चुने नामों में से कुछ को चुनने और बाकी नियुक्तियां प्रतीक्षा सूची से करने पर नाखुशी जताई। सीजेआई ने अटॉनी जनरल केके वेणुगोपाल से कहा, हमने न्यायिक सदस्यों के लिए 534 और तकनीकी सदस्यों के लिए 400 से अधिक का साक्षात्कार लिया

चीफ जस्टिस एनवी रमण, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एल नागेश्वर राव की पीठ ने सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता वाली चयन समितियों द्वारा चुने नामों में से कुछ को चुनने और बाकी नियुक्तियां प्रतीक्षा सूची से करने पर नाखुशी जताई।

था। उसमें से हमने 10 न्यायिक सदस्यों की सूची और 11 तकनीकी सदस्यों की सूची दी थी। चयन सूची में से तीन और अन्य नाम प्रतीक्षा सूची से लिए गए। आप चयन सूची की अनदेखी करके प्रतीक्षा सूची में नहीं जा सकते। यह किस तरह की नियुक्ति है? पीठ ने कहा कि हम लोकतांत्रिक देश में हैं, यहां कानून का राज है और हम संविधान के तहत काम करते हैं। आप (केंद्र) यह नहीं कह सकते हैं कि हम नामों को स्वीकार नहीं कर सकते।

सदस्यों की नियुक्ति ही एकमात्र समाधान-चीफ जस्टिस रमण ने वेणुगोपाल से कहा, सदस्यों की नियुक्ति ही समाधान है। इस पर अटॉर्नी जनरल ने आश्वासन दिया कि नियुक्तियां दो हफ्ते में की जाएंगी और नियुक्तियां न होने पर ठोस कारण बताया जाएगा। मामले को स्थगित करते हुए सीजेआई ने कहा कि हम दो हफ्ते की मोहलत दे रहे हैं। नियुक्तियों की व्यापक योजना के साथ आइए।

हमारे प्रयास व्यर्थ जा रहे-चीफ जस्टिस रमण ने कहा, जिस तरह से निर्णय लिए जा रहे हैं, उससे हम बहुत नाखुश हैं। हम चयन करते हैं और सरकार कहती है कि हम उन्हें नहीं चुन सकते। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जज कोरोना के दौरान देशभर में गए और नामों को चुना लेकिन हमारे प्रयास व्यर्थ जा रहे हैं। यह सिर्फ हमारे समय की बर्बादी है।

यूपी हत्याओं में अव्वल, राजस्थान में सबसे ज्यादा रेप; कोरोना के कहर के बीच भारत में क्राइम 28 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से प्रभावित वर्ष 2020 के दौरान अपराध के मामलों में 2019 की तुलना में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। देश में 2020 में प्रतिदिन औसतन 80 हत्याएं हुई और कुल 29,193 लोगों का कत्ल किया गया। इस मामले में राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। वहीं, अपहरण की सबसे ज्यादा वारदात भी उत्तर प्रदेश में हुईं। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में कुल 66,01,285 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए, जिसमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत 42,54,356 मामले और विशेष एवं स्थानीय कानून (एसएलएल) के तहत 23,46,929 मामले दर्ज किए गए।

अपहरण के मामलों में 19 प्रतिशत की कमी

एनसीआरबी के आंकड़ें बताते हैं कि अपहरण के मामलों में 2019 की तुलना में 2020 में 19 प्रतिशत की कमी आई है। 2020 में अपहरण के 84,805 मामले दर्ज किए गए जबकि 2019 में 1,05,036 एफआईआर हुई थीं। आंकड़े बताते हैं कि 2020 में अपहरण के सबसे ज्यादा 12,913 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 9,309, महाराष्ट्र में 8,103, बिहार में 7,889, मध्य प्रदेश में 7,320

मामले दर्ज किए गए। आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में अपहरण के 4,062 मामले दर्ज किए गए हैं। एनसीआरबी ने कहा कि देश में अपहरण के 84,805 मामलों में 88,590 पीड़ित थे। उसने बताया कि इनमें अधिकतर यानी 56,591 पीड़ित बच्चे थे।

हत्या के मामलों में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर -आंकड़ों के अनुसार, 2020 में उत्तर प्रदेश में हत्या के 3779 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद बिहार में हत्या के 3,150, महाराष्ट्र में 2,163, मध्य प्रदेश में 2,101 और पश्चिम बंगाल में 1,948 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली में 2020 में हत्या के 472 मामले दर्ज किए गए। पिछले साल राष्ट्रीय राजधानी समेत पूरे भारत में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगाया गया था।

राजस्थान में सबसे ज्यादा दुष्कर्म

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2020 में दुष्कर्म के प्रतिदिन औसतन करीब 77 मामले दर्ज किए गए। पिछले साल दुष्कर्म के कुल 28,046 मामले दर्ज किए गए। देश में ऐसे सबसे अधिक मामले राजस्थान में और दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। एनसीआरबी ने कहा कि पिछले साल पूरे देश में महिलाओं के विरूद्ध अपराध के कुल 3,71,503 मामले दर्ज किए गए, जो 2019 में 4,05,326 थे और 2018 में 3,78,236 थे।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com